Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ●Saturday, 04 October 2025 ●Year : 03 ●Issue : 257●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

पापों का फल तत्काल समझ में नहीं आता। उसका जहर अवस्था की तरह ठीक अपने समय पर चढ़ता है।

-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Rise And Fall Akriti Negi Slams Manisha Rani For Calling...

SHARE

सेंसेक्स	:	81,207.17
निफ्टी	:	24,894.25

SARAFA

सोना	:	10,965.00
चांदी	:	161.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम 57 लोगों की मौत

NEW DELHI : गाजा पट्टी में इजरायली हमलों और गोलीबारी में कम से कम 57 फलस्तीनी मारे गए। इजरायल ने यह हमला ऐसे वक्त किया है, जब हमास ने लगभग दो साल से जारी युद्ध को समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है। ट्रंप ने जो योजना पेश की है उसके तहत हमास को सभी 48 बंधकों को वापस करना होगा और सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और लड़ाई समाप्त करने के बदले में सत्ता छोड़नी होगी और निरस्त्रीकरण करना होगा। ट्रंप के इस प्रस्ताव को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्वीकार कर लिया है लेकिन इस प्रस्ताव में फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने के बारे में कोई बात नहीं कही गई है।

बम से उड़ाने की धमकी के बाद चेन्नई में हाई अलर्ट, तलाशी जारी

CHENNAI : शुक्रवार को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में उस समय हड़कंप मच गया, जब पुलिस को बम की धमकी वाले एक के बाद एक कई ईमेल भेजे गए, जिसके बाद शहर के कई हाई-प्रोफाइल ठिकानों पर तलाशी ली गई, जिनमें मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राज्यपाल आरएन रवि, अभिनेत्री त्रिशा, अभिनेता से नेता बने विजय, एसवी शेखर और बीजेपी के राज्य मुख्यालय कमलालयम के आवास शामिल हैं। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बम की धमकियों की एक श्रृंखला ने हड़कंप मचा दिया। पुलिस को सूचना मिली कि मशहूर अभिनेत्री त्रिशा के घर पर बम रखा गया है। तेनमपेट स्थित उनके घर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद से गहन जांच की, लेकिन वहां से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मोदी को बताया 'बुद्धिमान' नेता

MOSCOW @ PTI : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत द्वारा भारी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात किए जाने के कारण पैदा हुए व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए नई दिल्ली से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने सहित विभिन्न उपाय करने के आदेश दिए हैं। पुतिन ने वल्दाई पूर्ण सत्र में यह भी कहा कि वह दिसंबर की शुरूआत में होने वाली भारत की अपनी यात्रा और मेरे मित्र एवं हमारे विश्वसनीय साथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं। पुतिन दिसंबर की शुरूआत में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को एक संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्र हितैषी नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। आरटी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के प्रमुख साझेदारों पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी धमकी के बारे में सवाल किए जाने पर पुतिन ने कहा कि भारतीय लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके देश को उनके राष्ट्रीय हितों एवं प्राथमिकताओं के विपरीत कोई निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाए। उन्होंने कहा, भारत कभी किसी को स्वयं को अपमानित नहीं करने देगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह भी ऐसा कोई निर्णय नहीं लेंगे।

- भारत के साथ व्यापार असंतुलन कम करने का दिया आदेश
- इस साल के दिसंबर में भारतीय प्रधानमंत्री से मिलने के लिए उत्साहित हैं रूसी प्रेसिडेंट
- अमेरिका के अधिक शुल्क पर बोले- भारत कभी किसी को स्वयं को नहीं करने देगा अपमानित
- रूस भारत से खरीद सकता है अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां
- लगभग 63 अरब अमेरिकी डॉलर का है रूस और भारत के बीच व्यापार

भारत को होने वाले नुकसान की होगी भरपाई

पुतिन ने दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा एवं भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के दंडात्मक शुल्कों के कारण भारत को होने वाले नुकसान की भरपाई रूस से कच्चे तेल के आयात से हो जाएगी, साथ ही उसे एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा भी मिलेगी। उन्होंने रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क का उल्लेख करते हुए यह बात की। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है।

कुछ विशिष्ट मुद्दों को हल करना जरूरी

पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने रूस सरकार को निर्देश दिया है कि वह भारतीय मित्रों और समकक्षों को इस संबंध में प्रस्ताव देने पर विचार करे कि सहयोग के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र कौन से हैं तथा रूस किस प्रकार व्यापार और अन्य क्षेत्रों में असंतुलन को दूर कर सकता है। उन्होंने रूस और भारत के बीच आर्थिक सहयोग की अपार संभावनाओं का उल्लेख किया, लेकिन इन अवसरों को पूरी तरह से भुनाने के लिए कुछ विशिष्ट मुद्दों को हल करने की आवश्यकता को भी स्वीकार किया। उन्होंने तुलना करते हुए बताया कि रूस और भारत के बीच व्यापार लगभग 63 अरब अमेरिकी डॉलर का है और बेलारूस के साथ यह 50 अरब अमेरिकी डॉलर है।

भुगतान संबंधी बधाओं की चिंता

पुतिन ने जोर देकर कहा, भारत की जनसंख्या 1.5 अरब और बेलारूस की आबादी एक करोड़ है। यह स्पष्ट रूप से हमारे संभावित अवसरों के अनुरूप नहीं है। पुतिन ने कहा, हमें अपने अवसरों और संभावित लाभों को प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के मुद्दों को हल करने की आवश्यकता है। उन्होंने वित्तपोषण, साजो-सामान और भुगतान संबंधी बाधाओं को प्रमुख चिंताएं बताया। पुतिन ने इस बात को भी रेखांकित किया कि रूस की भारत के साथ कभी कोई समस्या नहीं रही या आपसी तनाव नहीं रहा। कभी भी नहीं।

जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले-

अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी सीमा को पार कर जाएगा भारत

HYDERABAD @ PTI : शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। सिंह ने जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) द्वारा आयोजित 'जीतो कनेक्ट' में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों को उनके धर्म के आधार पर मार दिया गया, लेकिन भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ हमले करते समय किसी को धर्म के आधार पर निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। हमने वहां किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। अगर हम चाहते तो हम ऐसा पहले भी कर सकते थे, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार सैन्य और आर्थिक शक्ति बढ़ाने पर जोर प्रभुत्व हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि धर्म, आस्था एवं मानवीय मूल्यों में निहित उन आदर्शों की रक्षा के लिए दे रही है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं में प्रतिबिंबित होते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत के गौरव और सम्मान की बात आती है तो हमने कभी समझौता नहीं किया। चाहे वह 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो, 2019 के हवाई हमले हों या 2025 का ऑपरेशन सिंदूर, हमने साबित कर दिया है कि भारत की एकता एवं अखंडता के लिए और हर नागरिक के जीवन एवं देश की रक्षा के लिए, जब भी जरूरत होगी, हम किसी भी सीमा को पार कर जाएंगे।

- आतंकियों के खिलाफ हमले में किसी को धर्म के आधार पर नहीं बनाया निशाना
- 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल के ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र
- पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को बनाया निशाना

2029 तक 50 हजार करोड़ का होगा रक्षा निर्यात

रक्षा मंत्री ने रक्षा निर्यात को लेकर कहा कि जब 11 साल पहले राजग सरकार ने सत्ता संभाली थी तब देश का निर्यात लगभग 600 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2029 तक यह आंकड़ा 50,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। सिंह ने आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदेशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 97 हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एक समझौता कर चुकी है।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा भारत

सिंह ने कहा, भारत दुनिया का विनिर्माण केंद्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया का कारखाना बनकर उभरेगा। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत 2030 तक 7.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। सिंह ने राष्ट्रीय विकास में जैन समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जैन समुदाय भारत की कुल आबादी का मात्र 0.5 प्रतिशत है लेकिन कुल कर संग्रह में उसका योगदान 24 प्रतिशत है।

तीनों सेनाओं ने स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' को लेकर शुरू किया काम

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कहीं। उन्होंने कहा कि चार दिन के इस संघर्ष में हमने पाकिस्तानी वायु सेना के अमेरिका निर्मित 4 से 5 एफ-16 मार गिराए। यह ऑपरेशन 1971 के बाद का सबसे विनाशकारी अभियान था। वायु सेना ने अचूक, 'अभेद्य' (अटूट) और 'सटीक' लक्ष्य के जरिए सिर्फ एक रात में दुश्मन को घुटनों पर ला दिया। यह सफलता आत्मनिर्भरता और वायु शक्ति की ताकत दिखाती है। अब तीनों सेनाओं ने स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' को लेकर काम शुरू कर दिया है। वायु सेना प्रमुख ने सालाना पत्रकार वार्ता में भविष्य की तैयारियों पर भी जोर दिया, जैसे एलसीए मार्क-1ए और थिएटर कमांड बनाने को प्राथमिकता पर रखा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि हमने बड़ी संख्या में उनके हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। इन हमलों के कारण पाकिस्तान के कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे क्षतिग्रस्त हुए हैं। तीन अलग-अलग स्टेशनों में उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हुए हैं। हमारे पास एक सी-130 श्रेणी के विमान गिरने के संकेत हैं और कम से कम 4 से 5 एफ-16 लड़ाकू विमान मार गिराए हैं। वायु सेवा प्रमुख ने कहा कि इसके साथ ही उनकी एक एसएएम प्रणाली नष्ट हो गई है। जहां तक एयर डिफेंस सिस्टम की बात है, तो रूस निर्मित एस-400 एक अच्छी हथियार प्रणाली साबित हुई है।

- एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सझा की कई महत्वपूर्ण जानकारियां
- वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक रात में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया
- मार गिराए पाकिस्तानी वायु सेना के अमेरिका निर्मित 4 से 5 एफ-16 लड़ाकू विमान
- हमारे लिए अच्छी साबित हुई रूस में निर्मित एस-400 हथियार प्रणाली
- भारत को हुए नुकसान के बारे में वायु सेना प्रमुख ने कुछ भी बताने से किया इनकार

हजारीबाग में बाबूलाल की बहू के साथ की गई बदसलूकी, थाने में दिया आवेदन

PHOTON NEWS HAZARIBAG : पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की पुत्रवधू प्रीति किस्कू के साथ हजारीबाग में अभद्र व्यवहार और उनके चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। प्रीति किस्कू ने इस संबंध में मुफ्फसिल थाना में शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। प्रीति किस्कू ने अपने आवेदन में बताया है कि यह घटना तब हुई, जब वह अपनी ससुराल गिरिडीह से रांची लौट रही थीं।

हजारीबाग के अमृत नगर के पास शाम गुरुवार शाम में अमृत नगर पूजा समिति के सदस्यों ने उनकी गाड़ी को जबरन रोक लिया। आरोप है कि समिति के सदस्यों ने उनके साथ गाली-गलौज की और गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। जब उनके चालक ने इसका विरोध किया, तो उसके साथ मारपीट की गई, इससे वह घायल हो गया। जब प्रीति किस्कू ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया और चालक को और अधिक पीटा गया। प्रीति किस्कू ने अमृत नगर पूजा समिति के सदस्यों पर आरोप लगाते हुए पुलिस से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

गला रेतकर महिला को उतारा मौत के घाट

PHOTON NEWS CHAIBASA : शुक्रवार को चाईबासा के टोंटो थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दो दिनो. से लापता महिला का गांव के पास जंगल से बरामद हुआ। मृतका की पहचान किताहातु टोला लातार गांव निवासी सुखमति लोहार के रूप में की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अपराधियों ने धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या की है। मिली जानकारी के अनुसार, सुखमति लोहार मंगलवार को किसी काम से घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने जब उनकी खोजबीन शुरू की, तो शुक्रवार सुबह गांव के समीप जंगल में उनका शव खून से लथपथ हालत में मिला। शव देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

- चाईबासा के टोंटो थाना क्षेत्र का मामला, दो दिनों से लापता थी महिला, गांव के पास जंगल में मिली डेड बॉडी
- जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- पुलिस ने शुरू की जांच अपराधियों की तलाश में की जा रही छापेमारी

भारत को मिला अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ पुरस्कार, बना दुनिया का पांचवां देश

NEW DELHI @ PTI : भारत, अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार प्राप्त करने वाला पांचवां देश बन गया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के शुक्रवार को बयान में कहा गया कि देश को सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए यह पुरस्कार मिला है। इस पुरस्कार की शुरूआत से अब तक इसे हासिल करने वाला भारत पांचवां देश है। इसके साथ ही देश सामाजिक सुरक्षा देने वाले दुनिया भर के अग्रणी देशों की सूची में शामिल हो गया है। सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए आईएसएसए पुरस्कार हर तीन साल में विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच (डब्ल्यूएसएसएफ) पर प्रदान किया जाता है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में भारत सरकार की ओर से पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहा, यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंक्ति में अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण का प्रमाण है, जिसने समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की दिशा में हमारी यात्रा को आकार दिया है।

- भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में ग्रहण किया पुरस्कार

हेल्थ अलर्ट अवसाद के दौर से गुजर रहा दुनिया का हर सात में से एक आदमी

चिंताजनक हालत का संकेत दे रही मानसिक रोगों की गति

PHOTON NEWS, RESEARCH : आज के तनावग्रस्त माहौल में शारीरिक ही नहीं, मानसिक बीमारियां भी आदमी को परेशान कर रही हैं। मानसिक रोग यानी मानसिक स्वास्थ्य विकार। यह मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संदर्भित करता है। ऐसे विकार जो व्यक्ति के मूड, सोच और व्यवहार को प्रभावित करते हैं। मानसिक बीमारी के उदाहरणों में अवसाद, चिंता विकार, सिजोफ्रेनिया यानी मतिभ्रम, खान-पान संबंधी विकार और व्यसनकारी व्यवहार शामिल हैं। कई लोगों को समय-समय पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं होती रहती हैं। लेकिन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंता तब मानसिक बीमारी बन जाती है, जब लगातार बने रहने वाले लक्षण और संकेत लगातार तनाव का कारण बनते हैं और कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार, मानसिक बीमारी व्यक्ति को दुखी कर सकती है और दैनिक जीवन में काम या रिश्तों में समस्याएं पैदा कर सकती है। अधिकतर मामलों में लक्षणों को दवाओं और बातचीत चिकित्सा (मनोचिकित्सा) के संयोजन से नियंत्रित किया जा सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी नई रिपोर्ट में खुलासा किया है कि वर्ष 2021 में दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा मानसिक बीमारियों से जूझ रहा था।

तनाव के कारण युवाओं में बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति ने खड़े किए कान

- युवाओं की होने वाली मौत के एक प्रमुख कारण के रूप में उभर रहा सुसाइड
- पिछले कुछ वर्षों में तेजी से सामने आ रहीं बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी बीमारियां
- दो सौ में एक वयस्क सिजोफ्रेनिया व डेढ़ सौ में एक बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित
- डब्ल्यूएचओ ने जारी की वर्ल्ड मेंटल हेल्थ टुडे और मेंटल हेल्थ एटलस 2024 की रिपोर्ट

- व्यक्ति के साथ समाज पर सबसे अधिक असर डालने वाली बीमारी है सिजोफ्रेनिया

हर आत्महत्या के पीछे 20 प्रयास

रिपोर्ट 'वर्ल्ड मेंटल हेल्थ टुडे' और 'मेंटल हेल्थ एटलस 2024' के अनुसार, मानसिक बीमारियों के कारण युवाओं पर गंभीर असर पड़ा है। आत्महत्या युवाओं में मौत का एक प्रमुख कारण है और यह विश्व स्तर पर हर 100 मौतों में से एक से अधिक के लिए जिम्मेदार है। चिंताजनक बात यह है कि हर आत्महत्या के पीछे लगभग 20 प्रयास किए जाते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, सिजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी बीमारियां भी तेजी से सामने आ रही हैं।

अव्यवस्थित सोच जैसी समस्याओं के लक्षण

अनुमान के अनुसार, हर 200 में एक वयस्क सिजोफ्रेनिया और हर 150 में एक बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि सिजोफ्रेनिया सबसे बाधित करने वाली और समाज पर सबसे अधिक लागत डालने वाली बीमारी है। इसमें रोगी अक्सर भ्रम (हॉलुसिनेशन) और अव्यवस्थित सोच जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। सिजोफ्रेनिया एक खास मनोविकृति है, जिसमें मतिभ्रम और भ्रम जैसे लक्षण होते हैं, जबकि बाइपोलर डिसऑर्डर (द्विध्रुवी विकार) एक मनोदशा संबंधी विकार है, जिसमें उन्माद और अवसाद के बीच अत्यधिक मूड में उतार-चढ़ाव आता है।

बिहार के पूर्णिया में ट्रेन की चपेट में आकर चार युवकों की मौत, दो जख्मी

AGENCY KATIHAR : शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे बिहार में पूर्णिया जिले के जवनपुर गुमटी के समीप कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर दशहरा मेला देखकर लौट रहे युवक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए, इनमें से 4 युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय कसबा थाना पुलिस के अनुसार मृतक और घायल युवकों की पहचान पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड के चांदपुर भंगहा निवासी के रूप में हुई है। सभी पूर्णिया में स्थित एक मखाना फैक्ट्री में काम करते थे। पुलिस को घटनास्थल से एक मोबाइल भी मिला है। कसबा थाना तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों ने बताया कि सभी युवक दशहरा मेला देखने कसबा आए हुए थे और माला देखकर लौटते समय वे ट्रेन की चपेट में आ गए।

- बनमनखी प्रखंड के चांदपुर भंगहा के रहने वाले थे सभी मृतक और घायल
- पूर्णिया जीएमसीएच में चल रहा घायलों का इलाज स्थिति चिंताजनक
- मेला देखने आए थे सभी घटनास्थल से बरामद हुआ एक मोबाइल

एसबीआई के फैसले के खिलाफ अनिल अंबानी की याचिका खारिज

MUMBAI : शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। स्टेट बैंक ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में वर्गीकृत किया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। फैसले की विस्तृत प्रति अभी उपलब्ध नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है।

अंतरराज्यीय लुटेरों का गैंग धराया, 5 करोड़ के सोने की लूट से भी जुड़े तार

छतरपुर के मंदेया ओवरब्रिज के पास 30 सितंबर को हुई थी घटना

AGENCY PALAMU : जिले की छत्तरपुर पुलिस ने शुक्रवार को लूटपाट करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया। छतरपुर के मंदेया ओवरब्रिज के पास बीते 30 सितंबर की रात हथियार के बल पर मोबाइल लूट लेने की घटना के बाद की गई कार्रवाई में पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के आदेश पर डीएसपी अवध यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपितों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

इनके पास से लूटा गया मोबाइल और बाइक भी बरामद हुई है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते डीएसपी अवध यादव

पकड़े गए आरोपित लंबे समय से राहगीरों और बाइक सवारों को पिस्टल दिखाकर लूटपाट कर रहे थे। पूछताछ में पता चला कि गिरोह का सरगना डब्लू प्रसाद साव पहले भी कई गंभीर अपराधों में शामिल रहा है और छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में हुई राजेश ज्वेलर्स से पांच करोड़ के सोना लूट कांड का भी आरोपित रह चुका है। डब्लू साव छतरपुर के खेंद्रा कला गांव का निवासी है। उस पर बिहार के अंबा, औरंगाबाद और छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज सहित छतरपुर थाने में कुल आठ मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार अन्य अपराधियों में छतरपुर के गुरदी गांव का सुशील कुमार यादव उर्फ छोटू यादव शामिल है, जिस पर छतरपुर थाने में चार मामले दर्ज हैं। नौडीहा खजूरी के रितेश कुमार पासवान पर तीन, खाटीन के छोटू कुमार उर्फ बाबा पर तीन और खाटीन के ही ओमप्रकाश कुमार पर भी छतरपुर थाने में तीन-तीन मामले दर्ज हैं।

अपराधियों के पास से जब्त किए गए सामानों में तीन बाइक, 16 मोबाइल फोन, एक ल्यूमिनस बैटरी, एक गैस सिलेंडर, एक देसी कट्टा और और जिंदा गोली शामिल है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

गोड्डा में ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

AGENCY GODDA : गोड्डा जिले में पुलिस ने ब्राउन शुगर की अवैध खरीद-बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 150.3 ग्राम ब्राउन शुगर, डिजिटल माप-तौल मशीनें और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। नगर थाना प्रभारी दिनेश कुमार महली ने जानकारी दी कि गोड्डा के एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि कुरमन के पास बन रहे नए बाइपास रोड के ओवरब्रिज के नीचे कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री और सेवन में लगे हुए हैं। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अंचल अधिकारी हलधर सेठी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। कार्रवाई के दौरान उक्त स्थान पर दबिश देकर छह तस्करों को रंगेहाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रीतम कुमार आर्या उर्फ प्रीतम सोलर, चंदन कुमार यादव, मो. कैफ, सुकरा अंसारी, नौशाद आलम और मुन्ना अंसारी उर्फ मसरूल अहमद शामिल हैं।

प्रीतम कुमार आर्या, चंदन कुमार यादव, सुकरा अंसारी और नौशाद आलम के खिलाफ पूर्व से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास की गहराई से जांच कर रही है।

BRIEF NEWS

अफीम के साथ खूंटी का युवक फर्रुखाबाद में गिरफ्तार

KHUNTI : उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कादरीगेट थाना की पुलिस ने गुरुवार को खूंटी के युवक को अफीम के साथ गिरफ्तार किया। खूंटी जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत पतराडीह गांव का युवक रेवा हेस्सा पुरती के पास से करीब डेढ़ किलो अफीम बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पांचालघाट पुल के पास यह युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा था। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी खूंटी से अफीम लेकर बरेली बेचने जा रहा था और वहां जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था।

समाहरणालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

DHANBAD : धनबाद समाहरणालय के तीसरे तल्ले पर मौजूद जेनरेटर रूम में शुक्रवार सुबह शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। गनीमत रही कि वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने समय पर इसकी सूचना अग्निशमन और स्थानीय थाना को दी। इससे समय रहते अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में सफल रही। वहीं, इस घटना में समाहरणालय में लगे बिजली के कई उपकरण जलकर खाक हो गए है। फिलहाल बरवाअड्डा थाना और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर मौजूद थी।

सड़क हादसे में नाजिर राकेश कुमार की मौत, पत्नी घायल

PALAMU : मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा में गुरुवार की दोपहर हुए एक सड़क हादसे में चैनपुर अंचल कार्यालय के नाजिर राकेश कुमार की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उनकी पत्नी को भी चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, उनकी पत्नी अब खतरे से बाहर हैं। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे तब हुई, जब राकेश कुमार और उनकी पत्नी चैनपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित आवास से बाइक पर अपने घर नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना जा रहे थे। सिंगरा के पास विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को तेज टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी राकेश कुमार को तुरंत इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर सह चैनपुर के अंचल अधिकारी अमरदीप बल्होत्रा, सदर थाना प्रभारी लालजी एवं अन्य कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और दुर्घटना की विस्तृत जानकारी ली। सभी कर्मियों ने राकेश कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अंचल कर्मियों ने बताया कि चार साल से चैनपुर में कार्यरत राकेश कुमार बेहद मृदुभाषी और मिलनसार स्वभाव के थे। उनके असामयिक निधन से पूरा विभाग मर्माहत है। सदर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है।

फंदे पर लटके मिले दो युवकों के शव परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एक का हो रहा था अंतिम संस्कार, तभी दूसरे की मौत की मिली सूचना

AGENCY GARHWA : पलामू प्रमंडल के गढवा के मेराल थाना क्षेत्र के संगवरिया गांव में पिछले 48 घंटों के दौरान दो युवकों का शव फंदे पर लटका मिला। घटना सामने आने पर गांव में दुर्गा पूजा की खुशियां मातम में बदल गईं। युवकों की पहचान अर्जुन राम (18)और चंद्रशेखर सिंह (19) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार बुधवार रात अर्जुन का शव घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर एक पलाश के पेड़ से झूलता हुआ पाया गया, जबकि गुरुवार रात चंद्रशेखर का शव अपने ही घर में फंदे पर लटका पाया गया। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम गढवा सदर अस्पताल में किया गया। अर्जुन आइएससी का छात्र था और हजारीबाग के एकलव्य विद्यालय से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद घर से ही गढ़वा में क्लास और कोचिंग कर रहा था। परिजनों ने अर्जुन की हत्या आशंका जताते हुए जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। अर्जुन के दाह संस्कार के समय चंद्रशेखर के सुसाइड कर लेने की जानकारी सामने आयी। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व जिप सदस्य सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र साव, शिक्षक और समाजसेवी रघुराई राम, 20 सूत्री अध्यक्ष शंभू प्रसाद, मुखिया संजय राम, रमेश बैठा, बैगा यमुना सिंह, कुंदन चंद्रवंशी, राजकुमार साव, धीरज सिंह, विकास गुप्ता, विनय सिंह, मनी सिंह सहित गांव के कई लोगों ने दोनों युवकों के परिजनों को ढांढस बंधाया और पुलिस से निष्पक्ष जांच कर घटना का उद्भेदन करने का आग्रह किया।

घर के पास जुटी भीड़

सिर कटे शव की हुई शिनाख्त, जांच में जुटी पुलिस

DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मलूटी पंचायत भवन के समीप सिर कटे शव की पहचान हो चुकी है। मृतक रूपलाल हांसदा (20) थाना क्षेत्र के मलूटी पंचायत के परतापुर गांव का निवासी था। शव की पहचान उसके परिजनों ने की है। मृतक के भाई ने पुलिस जानकारी देते हुए रूपलाल पिछले छह माह से पश्चिम बंगाल में एक लड़की के साथ रह रहा था। इसके बारे में भी घरवालों को कोई जानकारी नहीं है। रूपलाल लगभग दो माह पूर्व अपने गांव परतापुर आया था। लेकिन घर में उसने किसी से बातचीत भी नहीं की और फिर उसी दिन वह लौट भी गया। इसके बाद शुक्रवार को उसकी मौत की सूचना घर के लोगों को मिली। वहीं परिजनों का कहना है कि वह यहां क्यों आया, कैसे उसकी मौत हुई है। इसके बारे में वे कुछ नहीं बता सकते हैं। इधर, शिकारीपाड़ा थाना पुलिस हर दृष्टिकोण से मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि जिले के मलूटी पंचायत भवन के समीप और उप स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे लोगों ने एक पेड़ पर लटकता एक युवक का सिर देखा। उसका धड़ वहीं नीचे गिरा था। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

देवघर की स्टेज सिंगर से तीन युवकों ने किया दुष्कर्म

DUMKA : हंसडीहा में स्टेज प्रोग्राम करने वाली 21 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। देवघर के रिखिया की रहने वाली युवती ने शुक्रवार को तीन युवकों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। युवती ने पुलिस को बताया कि वह देवघर में रहकर स्टेज शो में गाना गाती है। 28 सितंबर को उसे एक नंबर से फोन आया, जिसमें बताया गया कि हंसडीहा में स्टेज प्रोग्राम करना है। इसके बाद तीन युवक सफेद रंग की कार से उसे लेने आए। तीनों युवक उसे कार से हंसडीहा लेकर आए। जब युवती ने पूछा कि प्रोग्राम कहां है, तो उसे एक कमरे में यह कहकर ले जाया गया कि प्रोग्राम के लिए अन्य कलाकार इसी कमरे में हैं। जब वह कमरे में गई तो तीनों युवक सौरभ कुमार, राजन राज और पारस यादव ने मुंह में कपड़ा भर दिया और हाथ-पैर बांधकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया। ब्लीडिंग की वजह से उसकी तबीयत बिगड़ गई तो युवकों ने उसका मोबाइल फोन और पैसे छीन लिए। इस मामले में आरोपी राजन के परिजनों ने बताया कि वह इस घटना में शामिल नहीं था। उसे किसी साजिश के तहत फंसाया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि दुर्गापूजा के मौके पर गैंगरेप की घटना से हंसडीहा शर्मसार हुआ है।

> युवती के बयान पर मामला दर्ज कर तीनों को हिरासत में लिया गया है। युवती की मेडिकल जांच कराई गई है। शनिवार को अदालत में बयान दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> – तारा चंद, थाना प्रभारी, हंसडीहा थाना

लातेहार में सड़क दुर्घटना में पीटी टीचर की हुई मौत

LATEHAR : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत डिग्री कॉलेज के पास एनएच 39 पर शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान कमल कुजूर (30) के रूप में हुई है। कमल लातेहार जिले के बरवाडीह के रहने वाले थे। वह एक प्राइवेट स्कूल में पीटी टीचर के रूप में कार्यरत थे, वहीं बरवाडीह में वह मुफ्त फिटनेस ट्रेनिंग सेंटर का संचालन भी करते थे। बताया जाता है कि शुक्रवार को वह अपने मोटरसाइकिल से लातेहार की ओर आ रहे थे। इसी बीच डिग्री कॉलेज के निकट सामने से आ रहे पिकअप वाहन से उनके मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय पुलिस की मदद से उन्हें मनिका अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। परंतु रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इधर उनके निधन पर लोगों ने गहरी संवेदना प्रकट की है।

बरवाडीह के सामाजिक कार्यकर्ता शशि शेखर ने बताया कि कमल कुजूर एक बेहतरीन खिलाड़ी भी थे। वह हॉकी और फुटबॉल दोनों खेलते थे।

अस्पताल पहुंचे परिजन

भारी बारिश से भेलाटांड़ रोड का पुल ध्वस्त, 10 गांवों का संपर्क टूटा

DHANBAD : धनबाद जिले के भेलाटांड़ से होकर गुजरने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क पर बना पुल गुरुवार को देर रात भारी बारिश के कारण पुल का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त गया, जिससे आसपास के 10 गांवों का शहर से संपर्क टूट गया। स्थानीय ग्रामीण बिनोद पासवान ने बताया कि बुधवार को देर रात हुई तेज बारिश के कारण पुल को ज्यादा नुकसान पहुंचा। इसके बाद से ग्रामीणों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी परेशानी बच्चों के स्कूल जाने और बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने में आ रही है। ग्रामीणों ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई है कि घटना के दो दिन बाद शुक्रवार तक कोई भी जिला प्रशासन का अधिकारी मौके पर स्थिति का जायजा लेने नहीं पहुंचा। प्रशासन की इस लापरवाही का सीधा असर लोगों की दिनचर्या पर पड़ रहा है।

पलामू के स्टेट बैंक में सेंधमारी की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

PHOTON NEWS PALAMU : जिला मुख्यालय के बैरिया चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक में गुरुवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने सेंधमारी की कोशिश की। हालांकि, वे बैंक से नकदी या कोई सामान ले जाने में नाकाम रहे। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक आरोपी मास्क पहने नजर आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, अपराधी बैंक के पिछले हिस्से से अंदर घुसे और सबसे पहले सिक्योरिटी सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। इसी दौरान बैंक से जुड़ा एटीएम का लिंक कट गया, जिसके बाद बैंक अधिकारियों को घटना की जानकारी मिली और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। जांच में सामने आया है कि अपराधियों ने सिक्योरिटी सिस्टम को क्षतिग्रस्त करने और तिजोरी तक पहुंचने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया। लेकिन वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाए। सूचना पर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि बैंक में सेंधमारी की कोशिश हुई है और घटना की गंभीरता को देखते हुए गहन जांच जारी है।

सेंधमारी के बाद बैंक के अंदर गिरा दीवार का मलबा ● फोटोन न्यूज

पर्व-त्योहार ढोल-नगाड़े के साथ भक्ति गीतों पर झूमते-गाते नदी घाट तक पहुंचे श्रद्धालु

मां के जयकारे के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

AGENCY GIRIDIH : शारदीय नवरात्र के अंतिम चार दिनों में अपने भक्तों को विभिन्न स्वरूपों में मनोवांछित फल का आशीष प्रदान करने वाली जगत जननी मां दुर्गा का विजयादशमी को जय दुर्गे के उद्घोष के साथ भावपूर्ण विदाई हुई। जिले के विभिन्न इलाकों में दुर्गा पूजा समितियों की ओर से स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का ढोल , ढाक नगाड़ो और गाजे-बाजे के साथ शुक्रवार को भी पारंपरिक विधान से विसर्जन किया गया। इससे पहले गुरुवार को लगभग 12 स्थानों में स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया । इनमें बरगंडा काली मंडा , श्री श्री आदि दुर्गा मंडा , गांधी चौक दुर्गा मंडा , पचम्बा गढ़मंडा , मोहनपुर , पुराना जेल भवन दुर्गा मंडा सहित अन्य शामिल है। प्रतिमाओं का विसर्जन बरवाडीह मानसरोकर जलाशय में किया गया। इस दौरान शुक्रवार को भी दिनभर रुक रुक कर होती रही वर्षा के बीच विसर्जन शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में सभी वर्गों के महिला पुरुष भक्त शामिल हुए। इससे पहले मां को कोईछा देने और सिंदूर लगाने के लिए पूजा मंडप में महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा को खोइछा देने के बाद महिलाओं ने पहले मां को सिंदूर लगाया फिर एक दूसरे संग सिंदूर खेल कर शुभकामनाएं दी । गोधुली बेला में पंडालों से जैसे ही मां दुर्गा की प्रतिमा निकली लोग भावुक हो गए। लोगों ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी । साथ ही अगले वर्ष फिर आना मां के जय कारे लगाये। विसर्जन के दौरान अक्सर बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, जिला प्रशासन की ओर से तालाब के आस पास जवानों की तैनाती एवं एनडीआरएफ की टीम को लगाकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये थे। बरवाडीह मान सरोवर तालाब में गुरुवार की देर रात तक प्रतिमाओं का विर्सजन होता रहा।

विसर्जन के दौरान मां दुर्गा से प्रार्थना करते श्रद्धालु

माता वैष्णो देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र पर लगाया गया भंडारा

RAMGARH : शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रा भंडारा के साथ संपन्न हुआ। भंडारे में रामगढ़ सहित आस पास क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालुओं ने माता वैष्णों देवी का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में शारदीय नवरात्रा बीते 22 सितम्बर को कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ था, जो शुक्रवार को माता के अटूट भंडारे के साथ संपन्न हुआ। भंडारा सुबह आठ से शुरू हुआ, जो देर शाम तक चला। भंडारे में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता का जयकारा लगाते हुए प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे को सफल बनाने में पंजाबी हिन्दू बिरादरी और माता वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह सहित बिरादरी के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदा, आधा दर्जन हुए घायल

RAMGARH : रामगढ़-बोकारो मार्ग पर रजरप्पा थाना क्षेत्र के छोटकीपोना चौक के समीप शुक्रवार को एक तेज रफ्तार कार ने आधा दर्जन लोगों को के रौंद दिया। जानकारी के अनुसार चितरपुर से रामगढ़ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ग्लैंजा कार ने छोटकीपोना चौक पर खड़े कई स्थानीय लोगों को रौंदते हुए पेड़ से जा टकराई। इससे कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सबसे पहले कार ने खड़े मोटरसाइकिल पर सवार अक्षय कुमार, नंदन कुमार को जोरदार टक्कर मारी। इससे दोनों युवक बुरी तरह से घायल हो गए। इसके बाद कार ने ट्यूशन पढ़ाने जा रहे सतवन कुमार और उसके साथ खड़े अभिषेक कुमार एवं उसकी नानी को भी जोरदार टक्कर मार दी। इससे वे तीनों लोग भी बुरी तरह से घायल हो गए। उसके बाद कार ने एक ठेले को टक्कर मारते हुए सीधे एक पेड़ से जा टकराई। कार की गति इतनी ज्यादा थी कि पेड़ भी उखड़ गया। जिससे कार में सवार दो लोगों को भी काफी चोटे आई हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गयी। वहीं घटना में घायल हुए लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचाया गया। जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए कई घायलों को रेफर कर दिया गया है। वहीं घटना की सूचना मिलने पर रजरप्पा पुलिस घटनास्थल पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। उधर, हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति बन गई और काफी मशक्कत के बाद परिचालन शुरू हो सका।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार

BRIEF NEWS

श्री श्याम मंदिर में पापांकुशी एकादशी पर्व पर दिखा भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम

RANCHI : अग्रसेन चौक स्थित श्री श्याम मंदिर में पापांकुशी एकादशी पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। साथ ही बजरंगबली व शिव परिवार का विशेष श्रृंगार कर आरती की गई। श्रृंगार आरती के साथ भक्तों की भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी। श्री श्याम प्रभु का लाल गुलाब, बेला, मोगरा, रजनीगंधा और गेंदा के फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। अखंड ज्योत प्रज्वलित करने के बाद भक्तों ने मंगल दर्शन कर आहुति दी। श्याम मंडल द्वारा गणेश वंदना से संकीर्तन आरंभ हुआ। महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रमेश सारस्वत, ओम जोशी, चन्द्र प्रकाश बागला सहित कई सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने दी।

बेड़ो में प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दुर्गापूजा का हुआ समापन

BERO : प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दुर्गापूजा हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। बेड़ो, पाकलमेड़ी, खत्रीखटंगा, मुरतो, दिघीया, तुको, घाघरा और ईट्टाचिद्धरी में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा को विदाई दी। बेड़ो दुगार्बाड़ी में बंगाली समुदाय की महिलाओं ने विजयदशमी पर सिंदूर खेला कर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। नवमी की रात आयोजित डांडिया नृत्य ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं पाकलमेड़ी पंडाल में पॉल ग्रुप के नागपुरी भक्ति गीत-संगीत ने श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। दशमी की शाम महादानी मैदान में 52 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। आतिशबाजी ने माहौल को और रोमांचक बना दिया। तुको गांव के दुर्गा मंदिर प्रांगण में भी रावण दहन का आयोजन हुआ। पूरे आयोजन को सफल बनाने में सभी पूजा समितियों की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस और प्रशासन ने भी प्रतिमा विसर्जन तक मुस्तैदी से सहयोग किया।

सीएम से राज्य निर्वाचन आयुक्त और विकास आयुक्त ने की मुलाकात

RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को नवनियुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी और विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह ने मुलाकात की। रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में ये मुलाकात हुई। अलका तिवारी 30 सितंबर को मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत हुई थीं और दो अक्टूबर को राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया था। मुख्यमंत्री से विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह ने भी मुलाकात की। अजय सिंह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से राज्य निर्वाचन आयुक्त और विकास आयुक्त की मुलाकात को शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया गया।

डोरंडा थाने में लगी पंचायत, गैरसुलहनीय अपराध बिना एफआईआर सेटल

- सिटी एसपी बोले- पूरे मामले की कराऊंगा जांच, एसएसपी के आदेश पर शुरू हुई थी जांच
- वकील के घर में घुसकर की गई थी मारपीट, महिलाओं से छेड़छाड़ का था आरोप
- बीएनएस की धारा 74 और 76 के अनुसार- छेड़खानी एक संज्ञेय और गैरसुलहनीय अपराध, तीन से सात साल तक की जेल और जुर्माने का है प्रावधान

खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आई रांची पुलिस, मारपीट की जांच शुरू

घंटों सीमा विवाद के बाद एयरपोर्ट थाना में एफआईआर का हुआ फैसला

वकील के घर घुसकर मारपीट और महिलाओं से छेड़छाड़ का मामला

'द फोटोन न्यूज' ने 28 सितंबर के अंक में प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

पीड़ित को दौड़ा रहीं डोरंडा थानेदार, एसएसपी से शिकायत

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के थानों में इन दिनों पंचायती चल रही है। डोरंडा थाने में पंचायती लगी और गैरसुलहनीय और संज्ञेय अपराध के मामले को सेटल करा दिया गया, जबकि यह मामला एसएसपी रांची के संज्ञान में आया था।, उन्हीं के आदेश पर जांच शुरू हुई। शुरूआत में तो पीड़ित को खूब दौड़ाया गया। जब बारी एफआईआर दर्ज करने की आई तो पहले थाने का सीमा विवाद सामने आया। अब आखिर में समझौता करा दिया गया। दरअसल, बीते 22 सितंबर को डोरंडा के मनी टोला में एक वकील के साथ घर में घुसकर मारपीट की गई थी। इस दौरान दो लोगों ने वकील की पत्नी के साथ छेड़छाड़ भी किया की थी। यह मामला बीएनएस की धारा 74 और 76 का बनता है, जो एक संज्ञेय और गैरसुलहनीय अपराध की श्रेणी में आता है। इसमें तीन से सात साल तक की जेल और जुमार्ने का प्रावधान है। ऐसे मामले को थाना में पंचायत लगाकर सेटल करा देना, पुलिसिंग की कार्यशैली पर सवाल खड़ी कर रही है। जबकि संज्ञेय अपराध के मामले में तुरंत एफआईआर करने का नियम है। जाहिर है, इस मामले में पुलिस और रसूखदारों के दबाव से इन्कार नहीं किया जा सकता। बता दें 22 सितंबर को घटना के तुरंत बाद पीड़ित वकील ने डोरंडा थाना में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया था। पुलिस ने आवेदन स्वीकार कर रीसिविंग भी दिया था। रीसिविंग की कॉपी 'द फोटोन न्यूज' के पास मौजूद है। इस मामले को फोटोन न्यूज ने प्रमुखता उठाया था। फोटोन संवाददाता से बात-चीत के बाद एफआईआर दर्ज करने की सुगबुगाहट चल रही थी, हालांकि खबर लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी।

कानून के एक्सपर्ट की राय

इस मामले में फोटोन न्यूज ने कानून के जानकार सौरभ दास, अधिवक्ता झारखंड हाईकोर्ट से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि ऐसे मामले जो संज्ञेय अपराध और गैरसुलहनीय के श्रेणी में आते है, उसे थाने में सेटल नहीं किया जा सकता। अगर थाना में समझौता करा दिया गया हो तो जिम्मेदार कार्रवाई के दायरे में आएंगे।

"पुलिस कभी सेटलमेंट नहीं कराती है। इस मामले को डीएसपी ने इंक्वायरी के लिए डाला था। नए वाले कानून के अनुसार, सात साल से कम सजा वाले अपराध में 14 दिनों तक जांच करने का समय है। लेकिन, मामले को अगर सेलटमेंट करा दिया गया है तो मैं इसकी पूरी इंक्वायरी करूंगा।
पारस राणा, एसपी, सिटी।

स्थिति को बयां कर रहा 'एक्स' पर पोस्ट

सेटलमेंट से एक दिन पहले पीड़ित ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था- 'बधाई हो रांची पुलिस, मुझे और मेरे परिवार को डर के साए में जीने को विवश करने के लिए।' इससे पहले उन्होंने लिखा था- ह्यअब क्या मुझे न्याय मिल पाएगा। पुलिस की लापरवाही के कारण, तत्काल एक्शन नहीं लेने, तत्काल जांच नहीं करने के कारण महत्वपूर्ण साक्ष्य सीसीटीवी फुटेज डिलीट हो गए या जानबुझ कर डिलीट कर दिया गया। उनके एक्स पोस्ट को देखकर लगता है कि वह काफी दबाव में थे और उनका परिवार डर के साए में जी रहा है। यह पोस्ट काफी अपीलिंग है, जो स्थिति को बयां करने वाला है।

Imran Ali @Alibhai_Imran
@HemantSorenJMM @JharkhandCMO @JharkhandPolice @ranchipolice
थाना में आवेदन के 9वें दिन डोरंडा थाना प्रभारी को होश आया कि घटनास्थल डोरंडा थानांतर्गत नहीं, बल्कि एयरपोर्ट थानांतर्गत है। डोरंडा थाना प्रभारी की लापरवाही के कारण सीसीटीवी फुटेज भी हाथ न लग सका
Translate Tweet
thephotonnews.com
The Photon News impact, : रांची में वकील के घर घुसकर मारपीट की जांच शुरू, घंटों सीमा विवाद में...

आदेश का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

रेरा ने बिल्डरों को दिया झटका 15 दिनों में मांगी क्वार्टर रिपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड रियल एस्टेट रेगुलेटरी आथोरिटी (रेरा) अब राज्य भर में काम कर रहे बिल्डरों पर सख्त रुख अपनाए हुए है। रेरा ने साफ कर दिया है कि किसी भी हाल में बिल्डरों को राहत नहीं दी जाएगी। ऐसे में रेरा ने सभी बिल्डरों को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया गया है कि वे 16 से 30 अक्टूबर के बीच अपनी क्वार्टर रिपोर्ट जमा करें। यह रिपोर्ट 1 जुलाई से 30 सितंबर तक की अवधि की होगी। रेरा ने बिल्डरों को वार्निंग दी है कि निर्धारित समयसीमा में रिपोर्ट नहीं देने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन पर जुमार्ना भी लगाया जाएगा। रेरा की ओर से कहा गया है कि बिल्डरों को क्वार्टर रिपोर्ट में फॉर्म सीए और आर्किटेक्ट फॉर्म भरकर जमा करनी होगी। यह रिपोर्ट ऑनलाइन माध्यम से दाखिल की जानी है। नियमों के मुताबिक बिल्डरों को हर क्वार्टर में अपने प्रोजेक्ट की प्रगति और वित्तीय स्थिति की जानकारी रेरा को देनी है। ऐसा न करने पर यह एक्ट का उल्लंघन माना जाएगा। बता दें कि राज्य में रियल एस्टेट रेगुलेटरी एक्ट 2016 लागू है।

रेरा में रजिस्टर्ड हैं 1067 प्रोजेक्ट

अबतक झारखंड रेरा में कुल 1067 प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड हैं। इनमें 1047 प्रोजेक्ट ऑनलाइन और 620 प्रोजेक्ट ऑफलाइन रजिस्टर्ड हैं। इसके अलावा 19 एजेंट रजिस्टर्ड हैं। अब तक 117 डेवलपर्स को प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए एक्सटेंशन भी दिया गया है। रेरा अधिकारियों के अनुसार पारदर्शिता सुनिश्चित करने और ग्राहकों को समय पर मकान या फ्लैट देने के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि इस दौरान बिल्डरों से ग्राहकों को प्रोजेक्ट में देरी पर रेंट वाले मकान का किराया भी दिलाया जा रहा है।

शिकायतों की लंबी लिस्ट

रेरा के पास फिलहाल बड़ी संख्या में मामले दर्ज हैं। कॉज लिस्ट में कुल 8293 मामले दर्ज हैं। वहीं एडजुडिकेटिंग ऑफिसर के पास सुनवाई के लिए 2542 मामले लिस्टेड हैं। दर्ज मामलों में सुनवाई भी हो रही है। लेकिन बिल्डरों की मनमानी से ग्राहकों को परेशानी हो रही है। वहीं बिल्डरों के समय पर नहीं आने से मामलों का निपटारा भी देर से हो रहा है।

- 1 जुलाई से 30 सितंबर तक की अवधि की मांगी गई है रिपोर्ट
- क्वार्टर रिपोर्ट में भरना है फॉर्म सीए और आर्किटेक्ट फॉर्म

ग्राहकों को सही जानकारी नहीं देते बिल्डर

रेरा के अधिकारियों का मानना है कि क्वार्टर रिपोर्ट जमा होने से ग्राहकों को यह स्पष्ट जानकारी मिलती है कि उनका प्रोजेक्ट किस स्टेज में है। उन्होंने जिस प्रोजेक्ट पर निवेश किया वह कबतक तैयार हो जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि बिल्डर समय पर प्रोजेक्ट पूरा करें। इस प्रक्रिया से खरीदारों के साथ-साथ निवेशकों का विश्वास भी बढ़ा है। वहीं कार्रवाई से अब लोग खुलकर बिल्डरों के खिलाफ कंप्लेन दर्ज कर रहे हैं।

जल्द हटाए जाएंगे शहर में लंबे समय से पार्किंग में लगे वाहन

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय में जिला के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पूर्व में आयोजित वरीय पदाधिकारियों की बैठक, ऑल हैंड मीटिंग तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर दिए गए दिशा-निदेशों की क्रमवार समीक्षा की गई। वहीं चैंबर के सदस्यों के साथ भी शहर को व्यवस्थित बनाने की चर्चा की गई। वहीं जिला प्रशासन ने इसमें चैंबर का सहयोग मांगा। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को पूर्व में दिए गए निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। समाहरणालय परिसर में सभी जगहों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने का निर्देश दिया गया ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके। समाहरणालय ब्लॉक-ए और ब्लॉक-बी की विशेष साफ-सफाई, पार्किंग क्षेत्र की सफाई, और लंबे समय से खड़े वाहनों को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। समाहरणालय के मुख्य गेट पर बायोमीट्रिक मशीन स्थापित करने का निर्देश दिया गया ताकि कर्मचारियों की उपस्थिति ससमय हो। इसके अलावा समाहरणालय परिसर और सुभाषचंद्र बोस पार्क के सौंदर्यीकरण हेतु ठोस कदम उठाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया।

- डीसी ने जिला के पदाधिकारियों और चैंबर के सदस्यों के साथ की बैठक
- जनता को बेहतर सुविधाएं देने के साथ शहर को व्यवस्थित बनाने पर जोर
- समाहरणालय के मुख्य गेट पर बायोमीट्रिक मशीन स्थापित करने का निर्देश

चैंबर के सदस्यों ने दिया सहयोग का आश्वासन

चैंबर के सदस्यों ने डीसी मंजूनाथ भजंत्री से मुलाकात की। इस बैठक में चैंबर के सदस्यों ने जिला प्रशासन के साथ विकास कार्यों में सहयोग देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। सदस्यों ने जिले के विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की और अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। उन्होंने जिला प्रशासन को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। डीसी ने चैंबर के सुझावों का स्वागत करते हुए उनके सहयोग की सराहना की और जिले के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट आदित्य मल्होत्रा, जेनरल सेक्रेटरी रोहित अग्रवाल, वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण लोहिया, जॉइंट सेक्रेटरी एस. नवजोत अलंग व रोहित पोद्दार और ट्रेजरर अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त हवलदार दिलीप तिर्की को किया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अपने आवासीय कार्यालय में विशेष शाखा के हवलदार दिलीप तिर्की की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्हें सम्मानित किया और उनके समर्पण एवं निष्ठा से किए गए लंबे सेवाकाल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवलदार दिलीप तिर्की का कार्यकाल अनुकरणीय रहा है। उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से राज्य की सेवा की है। ऐसे कर्मठ और समर्पित कर्मियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने उनके स्वस्थ, सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं भी की। उल्लेखनीय है कि दिलीप तिर्की 30 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्त हुए हैं। लगभग 40 वर्षों की सेवा अवधि में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी से विभाग एवं राज्य की सेवा की।

माता दुर्गा को दी गई विदाई, भक्तों ने भावुक होकर कहा- अगले साल फिर आना मां

PHOTON NEWS RANCHI : महानगर दुर्गा पूजा समिति, छप्पन सेट मंदिर परिसर से विसर्जन शोभायात्रा शुक्रवार को निकाली गई। इस दौरान जुटी महिला सहित हर वर्ग के लोगों ने माता की भजनों पर जमकर झूमा-गाया। शोभायात्रा का जत्था छप्पन सेट, गोरखा चौक, राजेंद्र चौक होते हुए सीधे बटन तलाब में पहुंची, जहां मां की आरती की गई। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी। साथ ही श्रद्धाभाव से माता की प्रतिमा की वास्तविकभाव को स्मरण करते हुए नमन किया गया। लोगों ने कहा हे मां अगले साल फिर से आना। इसी के साथ हम सभी इस साल आपको विदाई दे रहे हैं। वहीं सबों ने मां दुर्गा को प्रार्थना करते हुए सुख और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। इससे पूर्व मंदिर परिसर में समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में मां दुर्गे की वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना और आरती की गई। महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदुर और अबीर लगाया। मौके पर आलोक दूबे ने सभी महिलाओं को चुनरी भेंट किया। मां दुर्गा की पूजा अनुष्ठालन को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष गौतम दूबे गोपी, कपिलदेव सिंह, विजय गुप्ता, सुमित सिंह, मनोज सिंह, महेंद्र प्रसाद, अमोल कुमार, मनोज तिवारी, अभय सिंह, शशिकांत, मेंहुल दूबे, कमलेश झा, अजय थापा, अश्वनी कुमार, दीपक ठाकुर, सचिन कुमार, महिला भक्तों में गुड़िया सिंह और छाया अम्बष्ट सहित अन्य का सराहनीय रहा।

लाभुकों के खाते में पेंशन का भुगतान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत पात्र लाभुकों के खाते में जुलाई और अगस्त 2025 की पेंशन राशि का भुगतान किया गया। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि जिन लाभुकों को अभी तक पेंशन राशि प्राप्त नहीं हुई है, उन्हें अपने आधार कार्ड की एनपीसीआई मैपिंग सुनिश्चित करानी होगी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभुकों की संख्या 51,211 है। जबकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के लाभुकों की संख्या 11,299 है। वहीं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना में लाभुकों की संख्या 345 है।

खेल-कूद बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

रांची में होगी चौथी साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

PHOTON NEWS RANCHI : एक बार फिर झारखंडकी राजधानी रांची अंतरराष्ट्रीय खेल का गवाह बनने जा रही है। रांची का बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम इस बार दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी की जिम्मेदारी निभाएगा। यह आयोजन 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। इसमें भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों के धावक और एथलीट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन पहले अप्रैल-मई 2025 में होना था, लेकिन कुछ कारणों से इसे स्थगित कर अब अक्टूबर में कराने का निर्णय लिया गया है। तीन दिनों तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और मालदीव के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान की भागीदारी अब भी अनिश्चित है।

- 24 से 26 अक्टूबर तक दक्षिण एशिया के कई देशों के खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा
- अभी यह निश्चित नहीं है कि पाकिस्तान इस चैंपियनशिप में भाग लेगा या नहीं

विदेश मंत्रालय से मिली हरी झंडी

एएफआई, फाइनेंस कमेटी के अध्यक्ष मधुकांत पाठक ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान पर निर्भर करता है कि उनकी टीम और खिलाड़ी आएंगे या नहीं। बाकी सभी देशों से सहमति मिल चुकी है। पाकिस्तान के लिए हमने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा है और मंत्रालय से भी हरी झंडी मिल चुकी है।

घरेलू मैदान पर मिलेगा अंतरराष्ट्रीय अनुभव

गौरतलब है कि यह आयोजन वर्ल्ड एथलेटिक्स की डी कैटेगरी मीट में शामिल है, जो एथलीट्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी रैंकिंग और योग्यता सुधारने का बड़ा मंच बनेगा। इस प्रतियोगिता से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे भारत को लाभ होगा क्योंकि एथलीट्स को घरेलू मैदान पर ही अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा।

खेल की दृष्टि से बड़ा रांची का महत्व

यह पहला मौका नहीं है, जब रांची किसी बड़े एथलेटिक्स आयोजन की मेजबानी कर रही है। इससे पहले ईस्ट जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और हाल ही में संपन्न 64वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन भी बिरसा मुंडा स्टेडियम में हुआ। इन आयोजनों ने रांची को खेल की दृष्टि से देश के मानचित्र पर और मजबूत किया है।

तेजी से बढ़ रही लोकप्रियता

झारखंड में एथलेटिक्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। स्थानीय खिलाड़ियों के लिए यह आयोजन किसी उत्सव से कम नहीं होगा, क्योंकि उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को नजदीक से देखने और सीखने का मौका मिलेगा। दर्शकों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का एथलेटिक्स मुकाबला अपने ही शहर में देखने का मौका मिलेगा।

भाजपा ने आदित्य साहू को बनाया झारखंड का कार्यकारी अध्यक्ष

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक नियुक्ति के तहत झारखंड प्रदेश में बड़ा बदलाव किया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को झारखंड प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह जिम्मेदारी उन्हें रविंद्र कुमार राय की जगह सौंपी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव-सह-मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी ने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) को इस निर्णय की सूचना दी है। उल्लेखनीय है कि आदित्य साहू लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय रहे हैं और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य भी हैं। उनकी कार्यशैली और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने संगठन में बदलाव कर रणनीतिक कदम उठाया है।

तमाड़ में मुखिया मेला का आयोजन, रावण दहन में उमड़ी भीड़

RANCHI : तमाड़ प्रखंड के आंचुडीह नदी तट पर शक्ति क्लब दुर्गा पूजा समिति सारजमडीह द्वारा मुखिया मेला सह रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह मेला दशहरा के दूसरे दिन पंचपरगना क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। मेला का शुभारंभ रोशन महतो द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद प्रदीप बालमुचू ने इसे मां दुर्गा का आशीर्वाद बताया और कहा कि रावण दहन हमें अपने भीतर की बुराई खत्म करने की प्रेरणा देता है। युवा कांग्रेस नेता कुलदीप कुमार रवि, रामदुर्लभ सिंह मुंडा, रिशु कुजुर, अमित खलखो समेत कई राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

समाचार सार

गुजरात में बंधक बने 13 मजदूर बहरागोड़ा लौटे

GHATSILA : गुजरात की एक टाइल्स कंपनी में बंधक बने बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों के 13 श्रमिक शुक्रवार को सकुशल अपने घर लौट आए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व झामुमो के प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी का आभार जताया। श्रमिकों ने बताया कि कंपनी का सुपरवाइजर उन्हें आए दिन प्रताड़ित करता था। उन्हें कंपनी परिसर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने किसी तरह मोबाइल पर परिजनों से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई थी। परिजनों ने कुणाल षाड़ंगी से मुलाकात कर मदद मांगी थी। इसके बाद कुणाल ने सीएम हेमंत सोरेन को पूरे मामले से अवगत कराया। सीएम ने गुजरात सरकार से संपर्क साधा और सभी 13 प्रवासी श्रमिकों को मुक्त कराकर सुरक्षित उनके घर वापस भेजने का निर्देश दिया।

जमशेदपुर में संघ ने मनाया विजयादशमी उत्सव

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बिष्टुपुर नगर इकाई ने गुरुवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया। कदमा में हुए कार्यक्रम में शस्त्र पूजन भी हुआ। इस मौके पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय भी मौजूद रहे। उत्सव की शुरूआत तीन किलोमीटर लंबे पथ संचलन से हुई। इसके बाद गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पंक्तिबद्ध खड़े रहकर जमशेदपुर विभाग के प्रचारक आलोकजी से मार्गदर्शन प्राप्त किया। अपने उद्बोधन में आलोकजी ने संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर रोशनी डाली। उन्होंने पांच प्रण - पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक सुदृढ़ीकरण, स्वदेशी आचरण और कुटुंब प्रबोधन पर विशेष बल देने की बात कही। इस मौके पर डॉ. रामनरेश, प्रसेनजित तिवारी समेत अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

घाटशिला में हुआ आरएसएस का पथ संचलन

GHATSILA : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को भव्य पथ संचलन सह विजयादशमी का आयोजन किया। इसमें सैकड़ों गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पथ संचलन टाऊन हॉल से घाटशिला बाजार का भ्रमण करते हुए टाऊन हॉल में समाप्त हुआ। संचलन मार्ग में मारवाड़ी महिला समिति, सूर्य मंदिर विकास परिषद जैसे अनेक सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया। संचलन के पश्चात टाऊन हॉल में विजयादशमी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जमशेदपुर विभाग के प्रचार प्रमुख ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आरएसएस की स्थापना 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में हुई थी। संघ में जुड़े हुए स्वयंसेवक भले ही सामान्य हों, किंतु इन्हीं सामान्य स्वयंसेवकों ने पूरे विश्व में असामान्य कार्य करके अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। संघ पर अंग्रेज सरकार ने एक बार और तीन बार भारत सरकार ने प्रतिबंध लगाया था। हर बार संघ बेदाग साबित हुआ। अंत में प्रार्थना के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर जिला सह संघचालक आनंद अग्रवाल, जिला प्रचारक कौशलेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह मानिक बारीक आदि भी उपस्थित थे।

डायरिया से 16 वर्षीय किशोर की मौत

GHATSILA : झाटीझरना पंचायत अंतर्गत भोमराडीह गांव में 20 दिन से डायरिया का प्रकोप है। इसकी चपेट में आकर तारापद हेम्ब्रम के 16 वर्षीय पुत्र जुनैल हेम्ब्रम की मौत के बाद गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर जिप सदस्य देवयानी मुर्मू शुक्रवार को गांव पहुंचीं। उन्होंने बताया कि कुछ का इलाज अनुमंडल अस्पताल घाटशिला और कुछ का इलाज पश्चिम बंगाल के बांदवान व पुरुलिया में चल रहा है। गांव में ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर है, लेकिन यहां पदस्थापित एएनएम की कार्यशैली से नाराजगी है। ग्रामीणों नें बताया कि मरीजों के साथ उनका व्यवहार अच्छा नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि डायरिया नियंत्रित होने तक गांव में नियमित रूप से कैंप लगाया जाए तथा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाए। दोपहर 12 बजे जिला परिषद सदस्य भोमराडीह अस्पताल पहुंचीं, तो ताला लटका था। सिदाडांगा गांव के सुबोध मुर्मू, झाटीझरना के पीतम सिंह, भोमराडीह के पुगी मुर्मू समेत अनेक मरीज इलाज के लिए पहुंची हुई थी। जिला परिषद सदस्य ने कहा कि राज्य सरकार गांव के गरीब आदिवासियों के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर नहीं है। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था बंगाल के भरोसे है। झाटीझरना पंचायत के ग्रामीणों के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। इस मामले को लेकर बहुत जल्द उपायुक्त से मिलेंगे। भोमराडीह से लौटने के बाद मुर्मू ने अनुमंडल अस्पताल में इलाजरत डायरिया पीड़ितों से मिलकर हालचाल जाना। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि विजय सिंह, हरेकृष्ण सिंह, गोसाई हेम्ब्रम समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

एनएच पर सड़क दुर्घटना में ट्रेलर चालक समेत तीन घायल, एक की हो गई मौत

घटनास्थल पर सड़क थी वन-वे, बाइक सवार दंपती हुए जख्मी, सभी एमजीएम अस्पताल रेफर

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में तामुकपाल गांव के समीप एनएच-18 पर ट्रेलर की चपेट में आने से एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो घायल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से मृतक सहित घायलों को तत्काल अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया गया, जहां डॉ. आरएन सोरेन व डॉ. मीरा मुर्मू ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल महिला एवं ट्रेलर चालक को एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार की सुबह 11 बजे ट्रेलर अनियंत्रित होने के कारण तथा वहां एनएच के वन-वे होने के कारण सड़क दुर्घटना हुई है। इस घटना में तामुकपाल निवासी बालक मुंडा (60) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बालक मुंडा साइकिल से घाटशिला की ओर आ रहा था। वहीं, कलिकापुर निवासी किशोर भकत (42) तथा मौसमी पाल (40) गंभीर रूप से घायल हैं। मौसमी पाल के दोनों पैर टूट गए हैं। पति-पत्नी बाइक से अपने घर कलिकापुर गांव जा रहे थे। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिवार को मुआवजा एवं हाईवे को वन-वे की जगह टू-वे करने की मांग कर रहे थे। घटनास्थल पर अंचलाधिकारी निशांत अंबर व थाना प्रभारी वंश नारायण सिंह सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे थे।

एनएच पर जाम में फंसी गाड़ियां ● फोटोन न्यूज

देर रात हटा जाम

तामुकपाल गांव निवासी बालक मुंडा की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के बाद परिजनों व ग्रामीणों ने एनएच को जाम कर दिया था। गुरुवार की रात करीब 9 बजे यह जाम हटा। करीब 11 घंटे तक सड़क जाम रहने पर घाटशिला के एसडीएम सुनील चंद्र, एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, मुसाबनी के डीएसपी संदीप भगत व सीओ निशांत अंबर घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। उन्हें सरकारी नियम के मुताबिक मृतक के परिवार को मुआवजा, तामुकपाल में एनएच पर अंडरपास बनाने, स्ट्रीट लाइट ठीक कराने सहित सभी मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया।

फूलडुंगरी में एनएच पर बाइकों की टक्कर में दो हुए घायल

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र में फूलडुंगरी के समीप एनएच-18 पर शुक्रवार को दो बाइकों की टक्कर में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची घाटशिला थाना के गश्ती वाहन से पुलिस ने दोनों को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। घटना में घायल शंकर बनर्जी ने बताया कि वे कोलकाता से जमशेदपुर अपनी बुलेट बाइक से जा रहा था। इसी बीच आगे चल रहा बाइक सवार अचानक मुड़ गया। अपनी बाइक नियंत्रित करते करते दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में शंकर बनर्जी को गंभीर चोट लगी है, जबकि दूसरी बाइक पर सवार बेनासोल गांव के निवासी जादू हांसदा का बायां पैर टूट गया है। शरीर के अन्य हिस्से में भी गंभीर चोट लगी है।

चक्रधरपुर में हुई छऊ नृत्य प्रतियोगिता, बाईडीह विजेता

स्टेज पर नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : चक्रधरपुर के बनमालीपुर में लट्ठू उरांव कल्याण समिति द्वारा दुर्गा पूजा के अवसर पर विधानसभा स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें 225 अंक लाकर बाईडीह छऊ नृत्य मंडली विजेता बनी। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक सुखराम उरांव ने किया। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें 220 अंक लाकर सेताहाका नीचेटोला की छऊ नृत्य टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि पदमपुर पंचयत के कोटुवा गांव की छऊ नृत्य टीम 210 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के जज सरायकेला-खरसावां के छऊ कलाकार शिवचरण साहू, राजकीय छऊ नृत्य केंद्र सरायकेला के सुदीप कुमार कवि तथा संगीत नाटक एकेडमी (प्रोजेक्ट) नई दिल्ली की कुसमी पटनायक थीं। विजेता टीम को 20 हजार और द्वितीय को 15 हजार, जबकि बाकी टीमों को सात-सात हजार रुपये नकद प्रदान किए गए। इस मौके पर नवमी उरांव, सन्नी उरांव, विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई समेत काफी ग्रामीण उपस्थित थे।

जमशेदपुर में पकड़ाया बंगाल का महिला चोर गिरोह

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पुलिस ने दुर्गा पूजा की भीड़भाड़ का फायदा उठाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक महिला चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने इस गिरोह से जुड़ी 26 महिलाओं को जुगसलाई के एक होटल से हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि ये महिलाएं पश्चिम बंगाल के हुगली जिले की रहने वाली हैं। इनसे पूछताछ चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, यह महिलाएं 29 सितंबर को ट्रेन से जमशेदपुर पहुंचीं और होटल में ठहरी थीं। वहां से महिलाएं रोज अलग-अलग इलाकों में निकलकर पंडालों और पूजा स्थलों में पर्स, मोबाइल और सोने की चेन जैसी कीमती चीजें चोरी करती थीं। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में कालीबाड़ी के पास एक महिला की सोने की चेन चोरी हो गई थी। इसी घटना के बाद मामला खुला। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने फौरन सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध महिलाओं की पहचान की। इसके बाद जुगसलाई के एक होटल में छापेमारी कर पुलिस ने गिरोह की सभी महिलाओं को दबोच लिया। उनके पास से चोरी के कई सामान भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह केवल जमशेदपुर ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कई शहरों में सक्रिय था।

पूर्व सीएम रघुवर दास के भाई पर दर्ज कराई गई मारपीट की शिकायत

जमशेदपुर पूर्वी के प्रत्याशी रहे शिवशंकर सिंह के भाई ने लगाए गंभीर आरोप

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक तनाव एक बार फिर गरमा गया है। गुरुवार की रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के भाई मूलचंद साहू और जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय प्रत्याशी रहे शिवशंकर सिंह के भाई राजेश सिंह बम के बीच विवाद और मारपीट की घटना सामने आई है।

बम सिंह ने सीतारामडेरा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मूलचंद साहू ने उन पर मुक्के से हमला किया और जातिसूचक एवं अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। राजेश सिंह बम ने शिकायत में बताया कि वह दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर घाट पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात मूलचंद साहू से हुई। उन्होंने सिर्फ शिष्टाचारवश अभिवादन करने की कोशिश की, लेकिन उसी दौरान मूलचंद साहू आक्रोशित हो उठे और उन पर हमला कर दिया। बम सिंह के मुताबिक, हमले के दौरान मूलचंद साहू ने धमकी भरे लहजे में कहा कि तुम बिहारी लोग 25 साल से हमारे तलवे चाटते आए हो और आगे भी ऐसा ही करोगे। तुम्हारे भाई की हिम्मत कैसे हुई कि वह रघुवर दास की बहू पूर्णिमा साहू के खिलाफ चुनाव लड़ा। उन्होंने यह भी धमकी दी कि आगे विरोध करने पर उन्हें जान से मरवा देंगे। सीतारामडेरा थाना प्रभारी ने बताया कि लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और सत्यापन के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सीतारामडेरा थाना में मामला दर्ज कराने पहुंचे राजेश सिंह बम व अन्य

सोनारी में मॉर्निंग वॉक के दौरान नकाबपोश अपराधियों ने खिलाड़ी से छीनी सोने की चेन

भुक्तभोगी ने बताया- बाइक से आए थे अपराधी, पिस्टल भी था

PHOTON NEWS JSR : सोनारी क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान अपराधियों ने एक फुटबॉल खिलाड़ी को निशाना बनाया। दो नकाबपोश बाइक सवार युवकों ने पिस्टल की नोक पर उन्हें डरा-धमकाकर सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

पीड़ित खिलाड़ी रामदेव सिंह ने पुलिस को बताया कि रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए सोनारी लिंक रोड पर निकले थे। सुबह करीब 6 बजे बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे और पिस्टल दिखाकर धमकाया। अपराधियों ने उनके गले से सोने की चेन उतरवा कर ले लिया और भाग गये। प्रत्यक्षदर्शी एस.एल. दास ने बताया कि अपराधियों ने बेहद तेजी से वारदात को अंजाम दिया और चेन लेकर फरार हो गए।वे लोग भी लूट की घटना को समझ नहीं पाए। सूचना मिलते ही कदमा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी का दावा किया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मॉर्निंग वॉकर्स की सुरक्षा के लिए सोनारी लिंक रोड और आसपास के इलाकों में गश्त बढ़ाई जाएगी। वहीं, इस घटना ने एक बार फिर शहर में सुबह के समय सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटनास्थल पर जांच करने पहुंची पुलिस

हावड़ा में पकड़े गए जमशेदपुर के 4 युवक मिला 4 किलो सोना

JAMSHEDPUR : पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को हावड़ा जिले के टिकियापाड़ा के पास एक कार से चार किलो सोना और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए। इस दौरान जमशेदपुर के चार युवकों को पकड़ा गया है। हिरासत में लिए गए युवकों में सोनारी थाना क्षेत्र के पंचवटीनगर निवासी नितिन सिंह, मानगो थाना क्षेत्र के बालीगुमा के रहने वाले प्रवीण सिंह और टेल्को थाना क्षेत्र के भुवनेश्वरी मंदिर के पास रहने वाले सुमित रजक व एक अन्य के रूप में हुई है। बताते हैं कि इस तरह का नेटवर्क कमीशन पर सोने की सप्लाई करता है। जमशेदपुर के एक सोना कारोबारी ने बताया कि कुछ तस्कर कोलकाता या अन्य बड़े शहरों से सोना लाकर जमशेदपुर की दुकानों में सप्लाई करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह की पुस्तक 'समय के साथ' लोकार्पित

पुस्तक का लोकार्पण करते विधायक सरयू राय व अन्य ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : वरिष्ठ पत्रकार आनंद सिंह की पुस्तक का लोकार्पण शुक्रवार शाम को बिष्टुपुर स्थित मिलानी हॉल में हुआ। इस अवसर पर बतौर अतिथि जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय, वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा, ब्रजभूषण सिंह व जयप्रकाश राय के अलावा राजेंद्र विद्यालय के उपाध्यक्ष एसके सिंह और जदयू के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव उपस्थित थे। इसी क्रम में हिंदी पत्रकारिता में विकासपरक रिपोर्टिंग का स्थान विषय पर संगोष्ठी भी हुई। सरयू राय ने कहा कि अखबार में हर पाठक वर्ग के लिए कुछ न कुछ होता है। अखबार या पत्रिका के हर पन्ने में विकासपरक रिपोर्टिंग खोजना ठीक नहीं। लेकिन, आप जब अखबार को गौर से पढ़ेंगे तो आपको विकासपरक रिपोर्टिंग दिख जाएगी। यह खुशी की बात है कि जमशेदपुर के अखबारों में विकासपरक खबरों को तवज्जो दी जा रही है।

धर्म-अध्यात्म शांतिपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा संपन्न होने पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने नागरिकों का भी जताया आभार

साकची के दशहरा महोत्सव में हुआ राम-रावण युद्ध का मंचन, धू-धूकर जला रावण

PHOTON NEWS JSR : साकची में दशहरा पर्व का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें श्रीश्री रामलीला उत्सव समिति ने राम-रावण युद्ध का जीवंत मंचन प्रस्तुत किया और 16 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत काशीडीह से हुई, जहां भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की झांकियों के साथ रावण के पुतले को विभिन्न मार्गों से घुमाते हुए साकची स्थित रामलीला मैदान तक पहुंचाया गया। रास्ते में निकलते समय भीड़ ने उत्सव का आनंद लिया और भक्तिभाव में झूम उठी। रामलीला मंचन में रावण और राम के संवाद दर्शकों के बीच रोमांच का संचार कर रहे थे। मंच पर रावण गरजते हुए बोला- 'तुम्हारे प्रयास व्यर्थ हैं, हे राम! मेरा साम्राज्य नष्ट नहीं होगा!' राम ने धीरज और साहस के साथ उत्तर दिया- 'असत्य और पाप की शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है, रावण!'

साकची में जलता रावण का पुतला

लक्ष्मण ने राम के आदेश पर तीर चलाते हुए कहा- 'भाई, अब बुराई का अंत करने का समय आ गया है!' मंच पर हनुमान ने रावण को चुनौती दी और भगवान राम ने अपने तेजस्वी तीरों से रावण के पुतले पर निशाना साधा। इसके बाद पूरे मैदान में आतिशबाजी और पटाखों के बीच रावण का दहन किया गया। दहन के समय आसमान रोशनी से जगमगाया और भीड़ ने जय-जयकार कर बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया। श्रीश्री रामलीला उत्सव समिति के संचालक मनोज मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में सत्य, धर्म और अच्छाई की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने शहरवासियों से आग्रह किया था कि वे परिवार सहित इस पावन अवसर में शामिल होकर बुराई पर अच्छाई की विजय के साक्षी बनें। इस आयोजन ने न केवल दशहरा पर्व की धार्मिक गरिमा को बढ़ाया, बल्कि जमशेदपुर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपरा को भी गौरव प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम में भक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और आतिशबाजियों ने वातावरण को भक्तिमय और रोमांचक बना दिया।

इनकी रही उपस्थिति : रावण दहन के कार्यक्रम में डॉ. डीपी शुक्ला, शंकर लाल सिंघल, राम केवल मिश्रा, अनिल कुमार चौबे, दिलीप तिवारी, गया प्रसाद चौधरी, अवधेश मिश्र, मगन पांडे, महेश तिवारी आदि उपस्थित थे, जबकि रावण दहन विकास सिंह (केके बिल्डर) ने किया।

सिंदूर खेला के साथ दी गई मां दुर्गा को विदाई

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले में दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाया गया। विजयादशमी पर सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदाई दी गई। ढोल-नगाड़े व आतिशबाजी के साथ गुरुवार देर शाम तक स्वर्णरेखा व खरकई नदी में मां की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इसके लिए जिला प्रशासन ने नदी घाटों पर लाइट की व्यवस्था की थी। जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा संपन्न हुआ। प्रतिमा विसर्जन सहित संपूर्ण आयोजन प्रशासनिक तैयारियों एवं सामुदायिक सहयोग के कारण सुचारू रूप से हुआ। इसके लिए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, पूजा समितियों, केंद्रीय शांति समिति, एनडीआरएफ टीम, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स, नियुक्त दंडाधिकारियों सहित समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस बल एवं जिला के नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उपायुक्त ने कहा कि दुर्गा पूजा जैसे बड़े पर्व के सफल संचालन में केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों, पूजा समितियों, स्वयंसेवकों एवं मीडिया की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने परस्पर सहयोग, अनुशासन एवं सौहार्द का परिचय दिया, जिसके कारण जिले में कहीं भी अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने विशेष रूप से विभिन्न पूजा समितियों का आभार जताया, जिन्होंने प्रशासन के दिशा-निदेशों का पालन करते हुए भीड़-प्रबंधन, विसर्जन-व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण में सहयोग दिया। साथ ही, एनडीआरएफ व सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवानों ने घाटों व प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया और जिला पुलिस बल ने सतर्कता व तत्परता के साथ चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की।

भारतीय जन महासभा ने किया शस्त्र पूजन

JAMSHEDPUR : विजयादशमी पर भारतीय जन महासभा के सदस्यों ने गुरुवार को शस्त्र पूजन किया। अध्यक्ष धर्म चन्द्र पोद्दार ने मानगो स्थित अपने आवास में शस्त्र पूजन किया। इस शुभ अवसर पर पोद्दार ने बताया कि हमारे सभी देवी-देवताओं के हाथ में शस्त्र है। हमें शास्त्र के साथ शस्त्र का भी ज्ञान होना चाहिए। हिंदू समाज के प्रत्येक घटक को शस्त्र पूजन अवश्य करना चाहिए। शस्त्र पूजन करने वालों में डॉ. आरएस अग्रवाल, ओमप्रकाश मूनका व श्रवण देबुका भी शामिल रहे। इनके अलावा महासभा के सदस्यों ने कोलकाता, रांची, पाकुड़, बरगढ़, नई दिल्ली, पांडिचेरी, रतलाम व जयपुर में भी शस्त्र पूजन किया।

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

मशरूम की खेती

मशरूम की उपयोगिता

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूड़ा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी.फ्लोरिडा, पी.सैपीडस, पी.फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी.की प्लास्टिक शीट चाहिए।

3. लकड़ी के सांचे - 45ग्30ग्15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ग्29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

7. टाट के बोरे 8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

9. एक स्प्रेयर 10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ग्8 मी. आकार का।

स्पानिंग

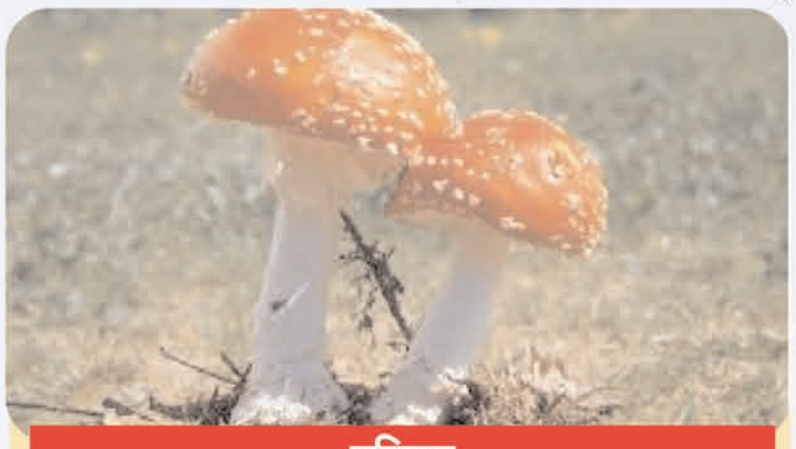

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठमायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0X2.5X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन= स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से.से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत-जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से.मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अत=, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

1. हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

1. नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

2. मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

3. कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण :घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

4. शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की अधूरी यात्रा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की मौजूदगी ने पिछले कुछ दशकों में नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर मिसाइल विकास तक उनकी भूमिका आज किसी से छिपी नहीं है। लेकिन यह यात्रा अभी भी अधूरी है क्योंकि तथाकथित 'लीकी पाइपलाइन' यानी शिक्षा और कॅरियर के अलग-अलग चरणों पर महिलाओं का बाहर हो जाना, उन्हें नेतृत्व की सीट तक पहुँचने से रोकता है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नवाचार और उत्कृष्टता की है। सवाल यही है कि भारत कब इस रिसाव को रोकेगा और कब महिलाएँ बराबरी से विज्ञान की बागडोर थामेंगी।

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है, या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही ह्यलीकी पाइपलाइनह्ल कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग तैंतालीस प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र चौदह प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग पंद्रह प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे।

वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज़िम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह

रिसाव है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है।

इस रिसाव की कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं।

वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है।

यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है। जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

इसके साथ ही यह भारत की वैश्विक छवि का भी सवाल है। लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और नेतृत्व की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जब भारतीय महिला वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलती हैं तो वह भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन जाता है। इससे भी आगे, यह आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षा का प्रश्न है। अगर आज हम विज्ञान में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हैं, तो कल हमारी बेटियाँ आत्मविश्वास से भरी होंगी और विज्ञान को अपनी पसंद का क्षेत्र मानेंगी।

सरकार ने कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की किरण योजना, महिला वैज्ञानिक योजना, एसईआरबी पॉवर फेलोशिप जैसी पहलें युवा महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। इसरो और डीआरडीओ ने लचीले कार्य समय, विस्तारित मातृत्व अवकाश और घर से काम करने जैसे विकल्प लागू किए हैं। कई संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता समितियाँ भी गठित की गई हैं। लेकिन यह सब अभी भी अपर्याप्त है। आवश्यकता है कि इन योजनाओं की पहुँच को बढ़ाया जाए और उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए। सबसे बढ़कर, समाज की मानसिकता बदली जाए। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विज्ञान पुरुषों का नहीं, बल्कि सभी का क्षेत्र है।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की यात्रा प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे बढ़ चुकी है, लेकिन नेतृत्व तक पहुँचने में अब भी कई बाधाएँ मौजूद हैं। यह बाधाएँ केवल व्यक्तिगत हानि नहीं बल्कि राष्ट्रीय हानि भी हैं। अगर भारत को ज्ञान शक्ति बनना है, तो इस रिसाव को रोकना ही होगा। वास्तविक नवाचार और उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पुरुष और महिलाएँ बराबरी से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों। यह केवल समान अवसर का सवाल नहीं है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी प्रश्न है।

संपादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है। देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यतः बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी। गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा। इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर, अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

पीओके में बिगड़ती कानून व्यवस्था और असुविधाओ को लेकर जनता का हल्लाबोल

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में शाहबाज सरकार की बेरुखी से नाराज स्थानीय पुलिस बगावत पर उतर आई।भारत मे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अपने ही घर मे घिरने लगा है।पीओके की आवाम खौफजदा है।पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके की जनता जिल्लतभरी जिंदगी गुजर- बसर कर रही है।असुविधाओं के कारण जीना मुहाल हो गया है।बिजली ,महंगाई से त्रस्त जनता का गुस्सा भड़क उठा है।पाकिस्तान सरकार बड़ी बड़ी डींगें हांकने में माहिर है।पीओके की जनता त्रस्त है।थाने में पुलिस नहीं है और थाने खाली है।तब सवाल उठता है कि जनता की जानमाल की हिफाजत करने वाला कौन है?शहबाज सरकार के खिलाफ बगावत के सुर तेज हो गए है।भगवान के भरोसे जनता त्राहिमाम कर रही है।पाकिस्तान में विधानसभा भवन और पीएम सचिवालय पर कोई सुरक्षा के इंतजाम नही है।महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए कोई सुविधा नही है।सात दशक से सड़के का निर्माण नही किया है।पुल,सड़के और जर्जर स्कूल से अव्यवस्था पैदा हो रही है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पलटू राम अमेरिका की शरणागति स्वीकार कर सौदेबाजी में मशगूल है।देश मे अराजकता व्याप्त है।पाकिस्तान में आतंकवादियों के हौसले बुलंद है।जिन आतंकवादियो को पाल पोस रहा है ,वो पाकिस्तान की निर्दोष जनता के लिए सिरदर्द बना गया है।पाकिस्तान भी आतंकवादियों से परेशान है।पालतुं कुत्ते मालिक पर ही हमला करता है।वैसी ही दशा पाकिस्तान की है।लॉकडाउन का ऐलान किया है।इस्लामाबाद से सुरक्षा के लिए जवान भी भेजे गए थे।पाकिस्तान में जंगलराज है।पीओके की जनता के साथ फौज के जवान दुर्व्यवहार करते है।उनके आवागमन पर फौज की नजर रहती है।वे गुलाम जिंदगी जी रहे है।पीओके के लोगो ने कई बार पीओके को भारत मे शामिल करने के लिए गुहार लगा रहे है।देश की सबसे अच्छी और शक्तिशाली इकाई कानून व्यवस्था है।जिस देश की कानून व्यवस्था डगमगा जाती है।वहा जंगलराज कायम हो जाता है।उसके लिए कुशल प्रशासक की आवश्यकता होती है।पुलिस की अभूतपूर्व हड़ताल की वजह का कारण, पीओके की कानून व्यवस्था का लचर होना है।थाने में पुलिस ही उपस्थित नही रहती है तो उसका अंदाजा लगाया जा सकता है।गरीबी और फटेहाल जीवन यापन करने वाली आवाम अब आजादी की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है।लॉक डाउन की कवायद शुरू हो गई है।जनता ने 11 सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए मांग रखी है।पाकिस्तान हर हाल में पीओके को आजाद करना नहीं चाहता है।लेकिन भारत कहता है हम हर हाल में पीओके लेकर रहेंगे।पुलिस को वेतन और परिवार के लिए बेहतर सुविधा की मांग की है।टूटते मनोबल के दौरान सरकार को हौसला अफजाई करने की आवश्यकता है।पुलिस रात दिन काम पर रहती है।उनके परिवार के लिए कोई सुविधा या परिवार को पालने के लिए पैसे नही मिलते है।यह स्थिति पीओके की है,जहा शहबाज सरकार की प्रशंसा करते थकने नही है,वही पीओके के लिए सौतेला व्यवहार किया जाता है।पुलिस की मांग को सरकार नही मानती है,तब तक पीओके का पुलिस महकमा वापस लौटने के लिए राजी नही है।सरकार ने बजट का हवाला देकर फिर से नौकरी पर लौटने के लिए आग्रह किया गया है,लेकिन पुलिस अडिग है।पाकिस्तान खैबर में टीडीपी के 17 आतंकवादियों का खात्मा किया गया।उधर,बलूचिस्तान में संघर्ष में पाकिस्तान के 15 जवान शहीद हो गए।देश मे अराजकता व्याप्त है।ये पालतू प्रशिक्षित आतंकवादी सरकार के लिए बहुत बड़ा खतरा होगा।जिस दिन पुलिस की तरह देश मे आतंकी बगावत पर उतर आएंगे,तब पाकिस्तान सरकार और आवाम के लिए युद्ध जैसी स्थिति बनेगी।क्योकि जिन लोगो को पाकिस्तान पाल रहा है।वो सरकार के लिए खतरा खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे।पाकिस्तान में पिछले दिनों आतंकी आकाओ पर कहर बरपा और एक एक कर मोस्टवांटेड आतंकियों को मौत के घाट उतारा गया।आवाम के साथ की जा रही अवहेलना का उदाहरण स्वरूप यह आंदोलन है।सरकार को अब होंश आ जाना चाहिए।वर्षो से चल रही उपेक्षा, भ्रष्टाचार और लोगो के साथ ज्यादती का परिणाम है कि आवाम बुनियादी सुविधा के लिए मोहताज है।नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छ पानी जैसे मौलिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है।इस जंगलराज और फौज से परेशान होकर पीओके की जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है।पीओके के हिंसक प्रदर्शन में भी लोग घायल हुए है।रक्षा मंत्री राजनाथसिंह सिंह ने पिछले दिनों कहा कि जनता परेशान और त्रस्त है।पीओके की जनता खुद चल कर भारत मे शामिल होने के लिए तैयार होगी।क्योंकि उनकी जिंदगी बदतर हो गई है।45 से 46 लाख जनसंख्या 85,793 किलोमीटर के क्षेत्रफल की हिस्सेदारी से पीओके में रह रही है।उनके यहां बिजली बराबर नही आती है।बिजली के लिए जनता परेशान है।सरकार की तरफ से राशन या खानेपीने की चीज वस्तुओ का अभाव और जनता के साथ दुर्व्यवहार करने की दिनचर्या बन गई है।इन मुस्किल हालात में जनता समझौता नही करना चाहती है।पीओके भारत मे आतंकी भेजने के लिए लॉन्च पैड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।पाकिस्तान फौज लोगो को परेशान करती है।पीओके भारत मे शामिल हो जाने पर, भारत मे घुसने वाले आतंकवादी बन्द हो जाएंगे।यह भारत के लिए बड़ी ताकत के रूप में काम आ सकता है।क्योंकि भारत सरकार के अधीन पीओके से आतंकवादियो को रोकने में सफलता

मिलेगी।लोगो के गुस्से से पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है।पीओके के साथ सौतेला व्यवहार पाकिस्तान को भारी पड़ रहा है।पुलिस भी सरकार के अधीन नही है।तब सवाल उठता है कि जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी का क्या होगा?पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर में तीन बड़े शहरों मेंपाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है।क्षेत्र में बंद के दौरान प्रतिष्ठान बंद रहे।इलाको में मशाल और मोटरसाइकिल लेकरमार्च निकाला गया।सरकार के खिलाफ जनता घरों से निकल चुकी है।सेना ने उन शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कारियो पर गोलियां चलाई है।2022 और 2023 में भी जनता सड़को पर उतरी थी।जनता जानती है कि सरकार कुछ परिवर्तन करने वाली नही है।जिस तरह से पीओके के हालात बदतर हुए है,उससे तो लोगो का जीवन नरकगामी बनता जा रहा है।बगावत का सुर तेज हो गया है।पाकिस्तान सेना और सरकार मिलकर आतंकी कैम्प बना रहे है।भारतीय सेना नेऑपरेशन सिंदूर में तबाह कर दिए थे।पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आने वाला नही है।कुत्ते की दुम 12 साल के बाद भी वैसी की वैसी ही थी।यह कहावत है कि वो सुधरने वाला नही है।

विश्व पशु दिवस : पशुओं के प्रति हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी

दिलीप कुमार पाठक

'किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है' एक राष्ट्र तभी समृद्ध होगा जब वह पशुओं के जीवन को मानव जीवन के समान मूल्यवान समझेगा' पशुओं को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार सभी को जानना चाहिए' महान विचारक श्री अरविंदो भी यही कहते थे जीवन तो जीवन है - चाहे वह बिल्ली में हो, कुत्ते में हो या मनुष्य में। बिल्ली और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। अंतर का विचार मनुष्य के अपने लाभ के लिए एक मानवीय अवधारणा है। हैरियट बीचर स्टोव कहते थे - जानवरों के साथ अपने व्यवहार में हमें यह याद रखना चाहिए कि वे हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दी गई एक पवित्र धरोहर हैं। वे गूंगे हैं और अपनी बात नहीं कह सकते। अतः हमें इस धरोहर को सम्भालना चाहिए '

अभी कुछ दिनों पहले आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली में अमानवीयता देखने को मिली थी, परंतु कोर्ट ने कुत्तों के जीवन को भी उपयोगी बताते हुए लोगों की अमानवीयता पर रोक लगाई थी कि कुत्ता हो या कोई अन्य जीव सभी का जीवन महत्तवपूर्ण है ' खासकर जानवर भी हमारे आसपास रहते हैं जिससे प्रकृति संतुलित रहती है '

प्रत्येक 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व में मनाए जाने वाले प्रमुख दिनों में से एक है ' विश्व स्तर पर विश्व के बुद्धिजीवियों ने पर्यटकों के संरक्षण और संरक्षण के लिए इस दिन की शुरूआत की थी, जिसे पूरे विश्व में जानवरों के संरक्षण और जागरुकता के लिए मनाया जाता है ' यह दिवस मानव की समृद्धि में एक प्रमुख कारक है, प्राकृतिक आपदाओं से, जहां मनुष्य खुद को किसी भी तरह से बचा लेता है, लेकिन वह पशुओं को बचा नहीं पाता है । 4 अक्टूबर को हम 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मानते हैं, यह एक अन्तराष्ट्रीय दिवस है ' यह दिन एसीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि पशुओं के महान संरक्षक थे' देखा जाए तो विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरूआत 1931 ई.पू. में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गई थी' अब तक युनाइटेड नेशंस ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देश के अनेक अभियानों की शुरूआत की है, पृथ्वी की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा किया कि जानवरों के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें प्राणी के रूप में पहचानने की बात कही गई है, जिससे उनकी जान की रक्षा करना सभी का उत्तरदायित्व होना चाहिए लेकिन विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, और असंख्य लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक करना ' खासकर जिन्होंने अब तक पशुओं के जीवन को भी महत्पूर्ण माना है उन विद्वानों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट करना तो है ही साथ ही पशुओं का जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। विश्व पशु दिवस का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति लोगों के व्यवहार और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य पशुओं के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है, जिसमें उनके लिए बचाव आश्रय प्रदान करना, धन जुटाना और पशु कल्याण कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। इस दिन के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाती है, जैसे कि उन्हें मारना-पीटना, पत्थर मारना, और गलत कामों के लिए उनका इस्तेमाल करना। इसका उद्देश्य पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। हालांकि अभी भी पशुओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है '

अभी दुनिया भर में जानवरों के प्रति क्रूरता के विडिओ आते रहते हैं, हम अपने आसपास भी लोगों को देखते रहते हैं ' तब सवाल उठते हैं कि दुनिया पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है या क्रूर हो रही है ' ईश्वर ने इंसान को जुबां, के साथ सोचने, समझने, कमाने की समझ दी है, वहीँ जानवरों को सोचने समझने की क्षमता नहीं दी यही कारण है कि इंसान की जिम्मेदारी पशुओं की रक्षा के प्रति ज़्यादा बढ़ जाती है '

अगर हम पशुओं के प्रति क्रूर हो जाएंगे तो प्रकृति इंसान के साथ क्रूर हो जाएगी चूंकि प्रकृति को असंतुलन स्वीकार नहीं है यही कारण है कि प्रकृति ने इंसान को समृद्ध करके भेजा है ' बेजुबान जानवरों के प्रति हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, हम सभी को सुनिश्चित करना होगा, जिससे हम अपनी शिक्षा एवं अपने मानवीयता का पालन करते हुए पशुओं की रक्षा करें ', गुरु नानक देव जी, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, जैसे महापुरुषों ने किसी भी जीव के प्रति हम सभी के नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी है '

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Uncorking angst: From hashtags to revolution

South Asia stands on the edge of a precipice powered by the ambition and angst of its young people. With half of the region's two billion people under 24 years of age, it is really moot whether the demographic dividend subsists or has morphed into a nightmare.For millions in the younger generations, it is almost impossible to find quality work or articulate their yearnings in an evocative manner on the public affairs of their Westphalian entities. Rather than becoming catalysts of transformative change, these young people have become unwitting instruments of instability and undemocratic regime change.Every day, a new cohort of about 100,000 young South Asians look for work, but the economies do not offer enough opportunity. The skill gap is devastating: 93 million children remain out of school, nearly three-fifths cannot read till age 10, and almost a third are neither in education, employment, nor training. This explosive combination of high aspirations created by dazzling media feeds and limited state capacity creates a lethal Molotov cocktail that propels spontaneous mobilisations at a mega scale.Unlike regions that trade and connect freely, South Asia remains one of the least linked in the world. Intra-ASEAN trade in 2024 was $752.5 billion while intra-South-Asian trade stands at a meagre $23 billion. This keeps economies stagnant and lets discords fester, thereby ensuring that the creative energy and potential of the region remain stifled and susceptible to the machinations of malefic external interests.Hillary Clinton's book Hard Choices has a whole chapter revealing that the Arab Spring of 2010-11 was not as organic as it seemed at first, but had activists schooled in technology camps run by Western powers. As Clinton's senior adviser Alec Ross admitted, the US state department collaborated with tech firms to shield protesters while instructing activists in online subversion methods. The apprehension that authoritarian states had that the Internet would be weaponised to "foster regime change" was indeed prophetic.South Asia is now the new battleground. In 2024, Bangladesh's Sheikh Hasina alleged 'the hyper power' had indulged in subversion after she refused to hand over St Martin's Island, a skerry with gargantuan strategic significance. In the blink of an eyelid, she had to flee.China has been quietly neo-colonising South Asia with its Belt and Road Initiative. Ports in Sri Lanka (Hambantota) and Pakistan (Gwadar), the Coco Islands off Myanmar and the Kyaukphyu port are its crown jewels. Major chunks of infrastructure in Bangladesh, Nepal, Sri Lanka, and Maldives are now resourced by the Chinese who are also courting Bhutan aggressively.In this larger geopolitical context, the glaring inequality in South Asia is portentous. The entitled progeny of the political elite and corporate oligarchs' flashy lifestyles on social media contrast sharply with the subsistence employment that most young South Asians have to chase.

The contrast manifests online. Viral posts of debauchery and 'excess of the entitled' explode across social media platforms every day, inviting scrutiny and stoking anger. Resentment coalesces into protests that can be amplified by foreign tools. Social media platforms controlled by foreign companies amplify such demonstrations, blurring the lines between genuine protest and engineered unrest.The recent mega protests in Sri Lanka, Bangladesh, Nepal, and now in the Philippines illustrate how social media weaponises organic gripes into revolutionary movements. Sri Lanka's Aragalaya (The struggle) movement organised using hashtags such as #GoHomeGota targeting Mahinda Rajapaksa and his coterie for gross economic mismanagement and personal profligacy.

Steady hand in choppy trade waters

In an era of tariff trauma, India has reinstated and expanded a flagship export incentive after making it WTO-compliant. But changing the rules constantly makes it very difficult to claim benefits. Exporters—especially smaller enterprises—would appreciate policy predictability

The Trump administration's tariff turmoils have forced the world to find new markets and make exports easier—India is no exception. In June, the government provided relief to exporters by reinstating a scheme—remission of duties and taxes on exported products or RoDTEP—to reimburse exporters for taxes, duties, and levies at the central, state, and local levels that are not refunded under other programmes but are incurred during manufacturing and distributing export products.The commerce ministry said on Tuesday it would extend the scheme until March 2026. It's time to note what has been holding back the full effect of the incentive—the impact of frequent and often abrupt amendments done to keep up with the global trade rearrangement.Implemented in 2021, RoDTEP is a key tax-based incentive extended to exporters operating with advanced authorisation and from export-oriented units and special economic zones. It aims to improve competitiveness by preventing double taxation. The current remission rates in India range from 0.3 to 4.3 percent of the free-onboard value of exports.Such tax refunds on exports are allowed under World Trade Organization (WTO) rules and are standard practice in many countries, such as the Reintegra rebate programme in Brazil and China's rebate on value-added tax on exports.RoDTEP replaced the earlier merchandise export incentive scheme or MEIS after the US challenged India's subsidies at the WTO. Under MEIS, exporters were reimbursed 2, 3, or 5 percent of the FOB value in the form of credit scrips. Rather than providing upfront incentives that offset costs, RoDTEP was explicitly designed to comply with WTO rules, refunding the embedded taxes and duties. The new scheme also expanded product coverage and brought in digitalisation, with electronic scrip replacing physical credit scrips.Since 2021, there have been more than 12 amendments to RoDTEP—changes in rates, inclusion of additional products, and, in some instances, removal of products from coverage. For example, the initial schedule of 2021 covered around 8,500 products. This list was amended three times in 2022. With an allocation of ?18,233 crore for 2025-26, the scheme covers over 10,795 product categories.Some amendments also correspond to exporter eligibility. In September 2024, exports by AA, EOU and SEZ units qualified for the benefits for the first time, but only until December 2024. Their benefits were then paused for several months before being reinstated in June 2025.The frequent amendments present a dilemma for firms. Some may boost export intensity to seize the expanded benefits, while others may face substantial transition costs, prompting them to hold back or maintain the status quo regarding exporting.The transition costs are likely to be larger for smaller enterprises. The January 2025 Economic Survey 2024 highlighted regulatory compliance as a major barrier to MSME growth, noting that many firms remain small to avoid onerous rules. Frequent convolutions in RoDTEP may further discourage MSMEs from pursuing international markets.

Challenges also arise with the new mandatory annual filing of detailed annual returns for exporters with claims of over ?1 crore in a financial year. This return filing requires exporters to provide highly granular data on the taxes, levies and duties incurred, including those embedded in transport and electricity.The requirement was likely introduced to aid India's efforts to show the US and EU that RoDTEP is a refund of embedded taxes. In 2023, both the US and EU imposed anti-subsidy duties on Indian goods, claiming RoDTEP to be an export subsidy. With annual recurring revenue, the granular data could be used to demonstrate that the scheme reimburses only taxes already paid.Nonetheless, many exporters find the return filing complex and burdensome due to the challenge of tracking and compiling detailed data they were not previously required to maintain. The failure to file this return by the designated deadline can lead to the denial of benefits and the freezing of e-scrips, in addition to late penalties.There is some degree of duality with RoDTEP. The government has rightly streamlined the scheme with clear mandates, including expanded coverage, digitalisation and ARR filing for eligibility, yet the scheme's constant revisions risk eroding these gains.Synergy at the subnational level could help resolve such duality by building firms' capacity to adapt to RoDTEP changes. For instance, state governments could support educating MSME exporters on proper documentation of taxes and ensuring accurate tax breakdowns in invoices.Some industry bodies such as the Confederation of Indian Textile Industry and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry are already stepping up, organising events to raise awareness about RoDTEP updates.Amid the challenges posed by the recent US tariffs, further adjustments to the RoDTEP scheme could be warranted to help exporters stay competitive and thereby support India's goal of reaching $1 trillion in exports by 2025-26. With the global trade order being recast, Indian firms must recognise that stability now comes from policy adaptability.

India needs better, not longer work

Growth should not come at the cost of drained human lives, especially as automation and AI promise more output with fewer workers

Across several Indian states, the eight-hour workday is being rewritten. In Maharashtra, Gujarat, and Odisha, the legal day now stretches from nine to 10, or 12 hours—so long as there is 'consent' and 'overtime' pay. The vocabulary of reform is familiar: productivity, competitiveness, investment. Yet behind it lies an old logic—the drive to extract ever more labour at minimal cost. Corporate titans push 70-to 90-hour weeks; states amend laws in the name of efficiency. But efficiency for whom? When a worker spends 10 hours on the shop floor and two more commuting, what remains of life? Can overtime compensate for missed childhoods, chronic fatigue, or eroded family ties?Advocates of extended hours argue that longer shifts create opportunity. History—and current practice—suggest otherwise. Lengthening the workday often reduces employment: one worker is stretched rather than two hired. Consent is tenuous in a labour market where refusal risks dismissal, and overtime pay is frequently evaded. At heart, this is not a debate about hours but about power—about who controls time. For employers, productivity is measured in output per hour. For workers, it is measured in how much life remains after work. One side seeks maximum profit, the other preservation of self.

A country that safeguards dignity within the workday can claim progress beyond it. The real question is not whether India can work longer, but whether it can work better. Better means wages reflecting skill, productivity driven by training and technology, performance judged by innovation and quality—not endurance. A humane economy does not need to stretch the workday; it must make every hour meaningful, fairly rewarded, and leave time for life outside. Growth should not come at the cost of drained human lives, especially as automation and AI promise more output with fewer workers.

Extending work hours is one thing; shrinking employment is another. Odisha has a 3.1 percent unemployment rate, with 1.5 lakh government vacancies, only 29,000 of which were filled last year. Maharashtra has 71.7 lakh unemployed, but just 1.53 lakh government posts. Even in Gujarat, where unemployment is lower at 1.7 percent, the question remains: beyond stretching work hours, what concrete steps are being taken to create meaningful employment? Without addressing this, longer workdays risk exhausting workers and do not solve the deeper malaise of joblessness.

Trump's Gaza peace plan: How Netanyahu banks on winning back estranged allies, repair political base at home

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's support for Donald Trump's Gaza plan is a gamble that may win back estranged allies abroad and repair his political base at home but risks a battle with coalition partners opposed to any hint of a Palestinian state.Netanyahu, aligning himself with Trump, framed the plan as a joint effort that advances his government's goals while shifting international criticism about the war onto Hamas, which must now choose between accepting it or facing continued siege.The move could shore up Netanyahu's support at home by ending an increasingly unpopular war and winning the release of hostages still held by the Palestinian militant group, bolstering his chances at elections due in a year's time.But the plan's reference to a Palestinian state is likely to antagonise members of Netanyahu's governing coalition, the most right-wing in Israel's history, where ultra-nationalist allies Itamar Ben-Gvir and Bezalel Smotrich hold outsized influence.Plan puts all pressure on Hamas, asks little of IsraelNadav Shtrauchler, a former adviser to Netanyahu, called the deal a "win-win" for the prime minister, saying that it shifts all the pressure onto Hamas while easing international scrutiny of Israel, and leaves coalition critics with no alternative."For him, it's checkmate. It's a very strong move," he said, that could see Netanyahu enter the next election with the hostages released and Israel's push to expand ties with Arab and Muslim nations, a process derailed by the war in Gaza, revived.rump's proposal, quickly endorsed by leaders across the Arab and Muslim world, asks little of Israel in the short term.Instead, it puts all the pressure on Hamas, demanding the freedom for all of the remaining hostages and the surrender of its weapons as a precondition for ending Israel's siege of Gaza.Israel's military would remain in Gaza for now, pulling back to positions along the border only once an international force assumes control. Netanyahu, who has insisted that Israel must retain overall security control after the war, said on Tuesday the military would stay in most of Gaza but offered no timeline.Coalition partner slams plan as 'Political Illusions'

In a lengthy post on X on Tuesday, Smotrich, who has openly called for Israel's Gaza campaign to continue, denounced Trump's plan, arguing it would trade "real achievements on the ground for political illusions". His Religious Zionism party holds seven of the Knesset's 120 seats, though recent polls indicate that he would struggle to win any if elections were held today.Israel's war in Gaza, launched in response to Hamas' October 2023 surprise attack, has lost support among much of the public. A survey published on Tuesday by the Jerusalem-based Israel Democracy Institute found that 66% of Israelis believe that it is time to end the war, including 48.5% on the political right.Eran Lerman, a former deputy national security adviser, said that Netanyahu knows Hamas' acceptance of Trump's plan could shatter his ruling coalition, but may still hope to be able to face voters with "a very different perspective on what happened over the last two years" than he would able to present today.

"I'm not sure that this is true, but you know, politicians are easily tempted to believe in things that cohere with their ambitions," said Lerman, who is also vice president of the Jerusalem Institute for Strategy and Security think tank.

Israel's opposition, made up of right, center and left parties, has also called for an end to the war and is often critical of Smotrich and Ben-Gvir, another far-right minister with outsized coalition influence. Many have also ruled out joining a future coalition with Netanyahu's ultra-Orthodox allies over their communities' refusal to serve in the military.A source briefed on the matter said that Netanyahu would not bring Trump's 20-point plan to government for approval and would instead ask ministers only to vote on the terms to free the hostages. Israel is to free hundreds of Palestinian detainees in exchange.Former Israeli diplomat Alon Pinkas cautioned that Netanyahu would likely draw out negotiations on issues that remain ambiguous, such as the withdrawal of Israel's military, with the aim of both surviving politically and undermining Trump's plan.For Netanyahu, Arab alliances may outflank right-wing furyIsrael has faced mounting international isolation over the nearly two-year-old war in Gaza. This month, some of its closest allies have formally recognized a Palestinian state despite Israeli objections, while others have sanctioned senior government ministers and imposed bans on weapons transfers to Israel.Hamas, for its part, has little diplomatic leverage. It can accept the terms or try to negotiate, but that would risk the plan being enforced in areas it no longer controls while Trump gives Israel a green light to continue attacking the group.

Sensex opens 205 points lower, Nifty below 24,800; Tata Steel up 3%

New Delhi. (Agency)

Benchmark stock market indices opened lower on Friday, resuming trending after a holiday, dragged by a decline in FMCG and auto stocks.

The S&P BSE Sensex was down by 208.31 points to 80,775.00, while the NSE Nifty50 lost 75 points to 24,760.80 as of 9:30 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that the positive impact of the central bank's bold initiatives to boost credit growth in the economy has the potential to sustain the momentum in the market, particularly in Bank Nifty.But this momentum is unlikely to sustain in the context of the sustained FII selling in the market. FIIs are likely to further accelerate selling since the market construct provides them the opportunity to sell aggressively. The huge short position in the market indicates that the bulls will be on the defensive," he added.

The top five gainers in early trade on the Sensex were Tata Motors, which jumped 5.54%, Kotak Mahindra Bank up 3.45%, Trent gaining 3.31%, Sun Pharma higher by 2.58%, and Axis Bank advancing 2.43%.

The top 5 losers were Bajaj Finance falling 1.10%, State Bank of India slipping 0.97%, UltraTech Cement down 0.86%, Tata Steel losing 0.71%, and Asian Paints dropping 0.62%.Among the sectoral indices, several showed positive momentum with Nifty Metal leading at 0.76%, followed by Nifty Pharma at 0.28%, Nifty PSU Bank at 0.28%, Nifty Private Bank at 0.25%, Nifty Consumer Durables at 0.22%, Nifty Realty at 0.06%, and Nifty Healthcare at 0.03%.

Nifty Media faced the biggest decline at 0.71%, followed by Nifty Financial Services which dropped 0.40%, Nifty Auto at 0.38%, Nifty FMCG at 0.22%, Nifty Oil & Gas at 0.13%, and Nifty IT at 0.10%.

WeWork India's Rs 3,000-crore IPO opens for subscription; early subscription subdued

New Delhi.(Agency)

Early subscription numbers on Day 1 of WeWork India's Rs 3,000-crore initial public offering (IPO) were subdued, with the issue subscribed only a fraction of the total. The retail investor portion saw about 7% subscription by mid-morning.

The co-working space major launched its IPO today (October 3). The issue, which closes on October 7, is being offered entirely as an Offer for Sale (OFS), with no fresh capital being raised. Promoter and investor holdings are being offloaded in this sale.The price band has been fixed at Rs 615–Rs 648 per share, with a total of about 4.63 crore shares on offer. At the upper end of the band, the issue size is pegged at Rs 3,000 crore. The allotment of shares is expected on October 8, with a tentative listing scheduled for October 10 on both the NSE and BSE.

Ahead of the IPO, the company raised RS 1,348 crore from 67 anchor investors at the upper band price of Rs 648.In the grey market, the IPO is quoting at a modest premium of around ?15 over the issue price, indicating limited listing enthusiasm. Analysts suggest the lukewarm grey market premium reflects cautious investor sentiment rather than strong demand.WeWork India is among the country's leading flexible workspace providers, operating multiple centres across major cities under long-term lease arrangements. Its asset-light model involves leasing premium commercial real estate, customizing it, and sub-letting on flexible terms. The company has improved its financial performance in recent years, moving toward profitability in FY25. Its revenue-to-rent multiple, reportedly around 2.7 times, is considered a key strength compared to peers.Analysts caution that since the IPO is entirely an OFS, WeWork India itself will not receive fresh capital from the listing. High fixed lease commitments remain a structural risk—any dip in occupancy or tenant renegotiation could pressure margins.

TRAI clears digital radio plan for 13 cities, auctions to begin soon

New Delhi.(Agency)

New Delhi: The Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has come out with its detailed recommendations on how private radio broadcasters in India should move towards digital radio. The plan sets the stage for starting services in 13 cities, including the four biggest metros and nine other large cities. The proposal has been under discussion since last year when the Ministry of Information and Broadcasting asked TRAI to frame a policy.

A consultation paper was released in September 2024, followed by months of discussions and an open house in January 2025. The regulator says it studied over 40 responses and more than a dozen counter-comments before finalising the new framework. The idea is to give private broadcasters a way to run both analog and digital channels side by side, while keeping options open for a complete shift to digital in the future.Digital radio rollout plan

The core recommendation is to start services in simulcast mode. That means a broadcaster can use the same spot frequency to run one analog channel, three digital channels and even a data service. TRAI has said only one digital technology standard should be used in India to avoid fragmentation.

The first phase will cover Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata under the A+ category, along with Bengaluru, Hyderabad, Pune, Ahmedabad, Surat, Jaipur, Lucknow, Kanpur and Nagpur from the A category. The government will run auctions for new digital frequencies in these cities.

Will Zerodha end its zero-brokerage model for equity delivery trades

Zerodha, long known for offering free equity delivery trades, could soon charge for delivery trades for the first time, signalling a major shift for investors.

CHENNAI.(Agency)

TSince its launch, Zerodha has been a pioneer in India's discount broking sector by not charging any fees for equity delivery trades. This unique offering set Zerodha apart, but the company is now rethinking this model. Founder and CEO, Nithin Kamath recently shared that the firm may start charging for delivery trades for the first time, citing revenue challenges.In a blog post marking Zerodha's 15th anniversary, Kamath said a steep drop in brokerage revenue—down 40% year-on-year for the June 2025 quarter—has forced the company to rethink its strategy. "The time has finally come for business to pivot," he wrote, confirming that charging for delivery trades is now being considered.

WHY IS THE REVENUE FALLING

The decline in earnings comes after several regulatory changes targeting derivatives trading, Zerodha's main revenue source. These include higher securities transaction tax (STT) on options, reduced weekly contract expiries, the removal of exchange fee rebates, and general market fatigue. Kamath said the impact became visible from October 2024.He also warned that further regulations, like a possible ban on weekly options, could hit revenues even more. Kamath stressed that relying too heavily on short-term growth can be risky. "Chasing MoM, QoQ, or YoY metrics can be misleading. We focus on long-term, five-year trends," he added.

ZERODHA'S STRONG FINANCIAL POSITION

Despite these headwinds, Zerodha's financial base is solid. The company's net worth stands above 13,000 crore, which is more than half of all its clients' funds, and it operates with zero debt.Zerodha holds a 10% share of India's retail and HNI assets under management (AUM) and has built a 5,000 crore margin trading book within nine months.

WHAT IT MEANS FOR INVESTORS

If Zerodha starts charging for delivery trades, it will bring its model in line with most other brokers in India. For customers used to free trades, this could be a significant change.While no final decision has been made, Kamath's blog suggests that Zerodha is preparing for a new chapter, balancing the need to stay profitable with its commitment to customers.

India can't be passive spectator: Nirmala Sitharaman talks tough amid US tariffs

New Delhi.(Agency)

India cannot afford to remain a passive spectator as geopolitical conflicts and actions such as sanctions and tariffs reshape global supply chains, Finance Minister Nirmala Sitharaman said on Friday. India's capacity to absorb these shocks remains strong, Sitharaman also said as she inaugurated the Kautilya Economic Conclave 2025 in New Delhi.In her opening remarks, Sitharaman spoke about the uncertainty shaping today's world and how it affects both global and Indian interests. She said geopolitical tensions and economic shifts were changing how countries work and trade with each other.She further said that India has shown strength despite global disruptions. "For India, these dynamics highlight both vulnerability and resilience. Our capacity to absorb shocks is strong, while our economic leverage is evolving," she said.According to her, what India chooses to do now will shape its future position in the world. "Our choices will determine whether resilience becomes a foundation for leadership or merely a buffer against uncertainty," she added.Sitharaman also pointed out that today's fractured global order may eventually bring new opportunities for cooperation if approached with the right mindset. "History teaches us that crises often precede renewal. The fragmentation we see today may give rise to more sustainable and unforeseen forms of cooperation," she said.

However, she stressed that fairness and inclusion must guide any new economic partnerships. "The challenge is to ensure that inclusive principles shape cooperation. For developing countries, this is a necessity, not just a romantic aspiration," she said.The minister urged emerging economies to take a more assertive role in shaping decisions that affect them. "In a world where decisions elsewhere determine our destinies, we must be active participants, shaping outcomes where possible and preserving autonomy where necessary," she said.

Wintrack's explosive charge opens Customs 'can of worms'

New Delhi.(Agency)

What began as Wintrack Inc's public fight against Chennai Customs over alleged bribery has now sparked a much bigger conversation about corruption in India's trade infrastructure.

After the Finance Ministry confirmed an official probe into Wintrack's charges, importers, customs brokers, and business owners across the country have started sharing their own accounts of harassment, bribery demands, and delays at ports.The Ministry of Finance issued a statement confirming that the issue is being investigated.The ministry said, "The Government has taken cognisance of the matter raised by M/s Wintrack Inc (Chennai). The Department of Revenue (DoR) has been asked to undertake a fair, transparent, and fact-based inquiry into the present issue. A Senior Officer from DoR has been deputed to conduct a detailed factual enquiry, hearing the parties concerned, officials and thoroughly examining all relevant documentary evidence The matter is being dealt with utmost seriousness, and the Government is committed to taking appropriate and expeditious action in accordance with the law."

Industry voices called the probe overdue, adding that corruption complaints have been common for years.IMPORTERS AND BUSINESSES SPEAK OUT

The Wintrack case has encouraged others to come forward.Chennai-based businessman Udhaya Sambath said a friend "paid Rs 47,000 as bribe to Chennai customs to release the consignment. After that he started going to Bangalore and was not ready to fight against them as it may affect his business."Another importer, Yusuf Unjhawala, wrote, "From my own experience and hearing from other importers, demands can be 10–50% of the shipment value. Or they threaten to put shipments for scrutiny. That is time consuming, it costs in demurrage and loss of business. So we have no option but to settle. Anyone who says this doesn't happen, is lying! But no one can win against the State. Definitely not small businesses."In Rajkot, businessman Vinit Vekaria claimed: "The customs dept in Rajkot demands between 5–7 lakh for a MOOWR scheme or else the endless delays. Your entire dept is corrupt to the core"INDUSTRY INSIDERS CONFIRM PATTERNSome long-time industry professionals also backed Wintrack's claims.A customs clearance veteran, Salman, said, "I concur with Wintrack Inc with every word they have said. I salute their courage and bravery.

Gold vs Silver—What's the better investment right now

CHENNAI..(Agency)

Gold and silver prices continue to command investor attention, with both metals trading at record highs. In the Indian market, gold futures recently crossed the Rs 1,17,000 per 10 grams mark, while silver touched around Rs 1,44,200 per kilogram. The rally has been fueled by global safe-haven demand, expectations of US interest rate cuts, and geopolitical uncertainties.While gold remains the traditional store of value, silver has delivered sharper percentage gains this year, supported not only by safe-haven buying but also by its strong industrial demand, particularly in electronics and renewable energy. However, analysts caution that both metals are showing signs of being overbought, raising the risk of short-term corrections.

Gold: The Defensive Play

Gold continues to be a preferred hedge against inflation, currency volatility, and market instability. Its relatively lower volatility makes it suitable for conservative investors. Analysts believe that as long as global monetary easing and geopolitical tensions remain in play, gold could stay well supported, though immediate upside may be capped after its steep rally.

Silver: The High-Beta Option

Silver offers a mix of safe-haven appeal and industrial use, which gives it stronger upside potential in growth cycles. However, its higher volatility means prices could fall sharply if industrial demand weakens or global risk appetite fades. For investors with a higher risk tolerance, silver remains an attractive tactical bet, especially if bought on pullbacks.Market experts suggest gold should remain the core holding for most portfolios due to its stability, while silver can be considered for diversification and higher return potential. A staggered buying approach is recommended to reduce the risk of entering at peak levels.

market analysts say that gold offers resilience and stability in uncertain times, while silver carries greater risk-reward potential. Therefore, a balanced allocation—anchoring on gold with selective exposure to silver—may offer the best hedge and growth opportunity in the current market environment.

Billion-Dollar IPO Rush: Tata Capital, LG, WeWork India IPOs To Raise Rs 30,000 Crore Next Week

Tata Capital, LG Electronics India, and WeWork India launch IPOs worth Rs 30,000 crore next week, marking a major surge in the primary market after a subdued first half of 2025.

New Delhi.(Agency)

The primary market remained subdued in the first half of 2025, weighed down by an overvalued secondary market, record-level FII outflows, and a global shift of investors towards other asset classes. However, momentum began to turn from May–June, with a flood of IPOs hitting the market as sentiment improved, investor confidence strengthened, and listing gains attracted fresh participation.The market is set to reach a peak moment next week, with IPOs collectively worth around Rs 30,000 crore either opening or remaining available for subscription. The upcoming bellwether issues include Tata Capital, LG Electronics India, and WeWork India. This surge raises concerns over the market's ability to absorb such a large fund demand, already stretched by a heavy pipeline of IPOs across both the mainboard and SME segments in recent months.Tata Capital To Raise Rs 15,500 Crore

Tata Capital, the non-banking financial arm of the Tata Group, is set to launch its initial public offering (IPO) on Monday, October 06, 2025. The issue size has been pegged at Rs 15,500 crore. The public issue will be closed for subscription on Wednesday, October 8, 2025.

Tata Capital has fixed the price band for its much-awaited Rs 15,512-crore IPO at Rs 310-326 per share, making it the largest issue of the year. With this, the non-banking financial company's valuation stands at about Rs 1.38 lakh crore at the top end of the band.Tata Sons, which currently holds an 88.6% stake in Tata Capital, will offload about 23 crore shares.International Finance Corporation (IFC), which owns 1.8%, will sell 3.58 crore shares.Proceeds from the fresh issue will be used to bolster Tata Capital's Tier-1 capital base, helping the NBFC meet future capital requirements, including lending operations.

This IPO comes as part of the Reserve Bank of India's mandate, which requires all

upper-layer NBFCs to be listed within three years of classification. Tata Capital was identified as an upper-layer NBFC in September 2022.

Founded in 2007, Tata Capital today serves over 70 lakh customers with a wide portfolio of more than 25 lending products, catering to individuals, SMEs, entrepreneurs and corporates. Apart from lending, it also distributes third-party products like insurance and credit cards, provides wealth management services, and acts as a sponsor and investment manager for private equity funds.

For FY25, Tata Capital reported a profit after tax (PAT) of Rs 3,655 crore, compared to Rs 3,327 crore in the previous year. Its revenue jumped to Rs 28,313 crore in FY25, up from Rs 18,175 crore in FY24.LG Electronics' Rs 11,607 Crore BetLG Electronics India Ltd, the local arm of South Korea's LG conglomerate, has fixed the price band for its much-awaited Rs 11,607-crore initial public offering (IPO) in the range of Rs 1,080-1,140 per share. At the upper end of the price range, the company is valued at about Rs 77,400 crore.The public issue will open for subscription on October 7 and close on October 9, while anchor investors can bid on October 6. The IPO, which is entirely an offer for sale of 10.18 crore shares — representing nearly 15 per cent stake — will see all proceeds go to the South Korean parent, as LG Electronics India itself will not receive any funds from the issue.

WeWork India IPO

WeWork India Management Limited, one of India's leading premium flexible workspace operators, has launched its Rs 3,000 crore initial public offering (IPO) on Friday, October 03, 2025.

Witch hunt, media trial: Zubeen Garg's fest organiser in plea to Supreme Court

Festival organiser Shyamkanu Mahanta has filed a petition in the Supreme Court requesting transfer of the investigation into Zubeen Garg's death to a central agency. Mahanta alleges a biased probe, media trial, and public threats impacting his safety and the fairness of the investigation.

Agency New Delhi.

Shyamkanu Mahanta, organiser of the North East India Festival and an accused in the case linked to the death of legendary Assamese singer Zubeen Garg, has approached the Supreme Court seeking transfer of the ongoing Assam Police probe. In his petition, Mahanta claimed that he was being subjected to a "well-calculated witch-hunt," alleging false narratives are being spread against him in the media.

Garg, one of Assam's most beloved singer, was scheduled to perform at the festival in Singapore on September 19 following a scuba diving accident, just hours before he was to take the stage. The festival was later cancelled.

In his plea, Mahanta, who was arrested earlier this week along with the late singer's manager Siddharth Sharma and charged with murder, said, "Top executives of Assam have gone to the extent of publicly making derogatory and damaging remarks against him on their official social media handles during the pendency of the investigation, which renders the investigation process futile."

He claims that such public remarks are likely to influence the ongoing investigation by a Special Investigation Team (SIT) constituted by the Assam government.

Mahanta further alleged that there have been "serious threats to his life and personal liberty due to public and media outrage."

He has also requested that the investigation be transferred from the SIT to a central agency such as the National Investigation Agency (NIA) or the Central Bureau of Investigation (CBI). He asserts that only a probe by these agencies can ensure impartiality and prevent further influence from state-level officials or the media. The plea also urged the top court to direct authorities to preserve all crucial evidence, including post-mortem reports and records from Singapore authorities. "Singapore authorities said no one was at fault. These reports should be preserved. Video recordings of the accident show Mahanta was not present at the scene. The videos should be taken on record by the probe team," it noted. Mahanta has firmly dismissed the allegations against him, while emphasising that they were "ludicrous". The petition details that the In his appeal, Mahanta continued to maintain his friendship with Garg, stating, calling the latter "my very dear, personal friend."Before their arrests, Lookout notices via Interpol were issued against Mahanta and Siddharth Sharma. Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma had said the two men must appear in Guwahati on October 6 to record their statements before the probe team.

Fake ghee racket busted in Delhi: 6 held in festive season crackdown

Agency New Delhi.

In a major festive season crackdown, the Delhi Police busted an adulterated desi ghee racket, arrested six men, and seized 1,625 kg of spurious stock from three illegal units, officials said on Thursday. The Central Range of the Crime Branch arrested the men following coordinated raids in Shiv Vihar, Karawal Nagar, and Mustafabad. The police said the units in North-East Delhi were being operated on a large scale to exploit the surge in demand during Dussehra and Diwali.

In the first raid at Shiv Vihar, 520 kg of duplicate ghee was recovered, and one accused, Safiq, 30, was arrested.

A second raid in the same locality led to the arrest of four men, including 50-year-old Yusuf Malik, described by police as a habitual offender previously arrested for similar crimes. His son Mehboob, 22, and two Ghaziabad residents, Shakir and Sharukh, were also arrested. The police said that 440 kg of spurious ghee, gas cylinders, stoves, and chemical substances were seized.

The third raid in Old Mustafabad led to the arrest of Zamaluddin, 40, and the recovery of 665 kg of adulterated stock.

"During interrogation, the accused disclosed that they purchased Dalda (vanaspati ghee) and cheap refined oil in bulk, which were heated and mixed to imitate pure desi ghee. To mimic authentic flavour, chemical-based flavouring agents, synthetic colour, and unsafe substances were added. The product was then packed in tins and packets resembling genuine brands and supplied to dairies, shops, and distributors, especially during the festive season. This crude and hazardous process not only deceived consumers but posed a serious health risk," Vikram Singh, Deputy Commissioner of Police, Crime Branch, said.

3 women aides of Chaitanyananda arrested for abetment, threatening students; released on bail

Agency New Delhi.

Three women aides of self-styled godman Chaitanyanand Saraswati, who has been arrested for the alleged sexual harassment of 17 female students at an institute in South Delhi, were arrested and later released on bail on Thursday.

The accused, identified as Associate Dean Shweta Sharma, Executive Director Bhawna Kapil and Senior Faculty Kajal, were booked for abetment, threatening, and destruction of evidence, police said. On Tuesday, police had questioned them face to face with Chaitanyanand. Police said that during questioning, the three admitted that they followed the directions of 62-year-old Chaitanyanand and pressured students on the pretext of discipline and punctuality. They also allegedly threatened the victims and made them delete Chaitanyanand's lewd messages from their phones.

A police team in Almora had visited the alleged guest house where Chaitanyanand had reportedly stayed with girl students, a senior officer said. Digital evidence recovered from mobile phones reportedly showed him making inappropriate comments on photos of students shared in a yoga group on WhatsApp. Chaitanyananda had served as Chancellor of Vasant Kunj-based Sri Sharada Institute of Indian Management-Research run by Sri Sri Jagadguru Shankaracharya Mahasamsthanam Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham in Karnataka's Sringeri. The religious organisation had expelled him in August — before the allegations of women students became public — for misappropriation of funds. He was arrested from Agra last Sunday after being on the run.

Bold, experimental to deeply personal narratives weaved into art: A contemporary showcase in Delhi

Agency New Delhi.

The 34th Annual Ravi Jain Memorial Foundation (RJMF) Exhibition opened recently at Dhoomimal Gallery with an exclusive preview that brought together leading figures from the art fraternity, collectors, and cultural enthusiasts.

This year's edition highlights the creativity of 60 emerging artists selected from over 500 nationwide entries, showcasing more than 120 works across paintings, printmaking, sculptures, video installations, and digital art. The exhibition will remain on view until October 15, 2025, culminating in the Annual RJMF Awards ceremony on October 14, where four winning artists will be felicitated. Each awardee will receive ₹1,00,000 along with continued mentorship and opportunities to grow their artistic journey.

Speaking about the opening, Uday Jain, Director of Dhoomimal Gallery said, "The exhibition and the awards carry forward my father's vision of nurturing talent and building a vibrant ecosystem for art in India. We remain committed to supporting young artists and providing them with a platform that recognizes both their creativity and potential." He further added, "What excites me most is the diversity and freshness of voices represented this year. From bold experimental practices to deeply personal narratives, the works on display reflect how contemporary art in India continues to evolve and inspire. It is a privilege for us at Dhoomimal to be part of their journey."

This year's winners will be chosen by a distinguished jury panel comprising Vibha Galhotra, a leading contemporary artist known for her practice addressing ecology and urbanism; Rekha Rodwittiya, a celebrated painter and mentor whose work embodies feminist and socially engaged narratives; Anish Gawande, writer, curator, and cultural commentator shaping critical dialogues on art and politics; Arunkumar H.G, an acclaimed artist recognized for his experimental forms and material practices rooted in ecology; and Ina Puri, an eminent writer, biographer, and curator with decades of experience chronicling Indian art. Beyond selecting winners, the jury plays a crucial role in encouraging innovation, experimentation, and diverse practices, reflecting the evolving dynamism of India's art landscape.

Criminal who demanded Rs 100 crore extortion from Gujarat businessman nabbed after shootout in Delhi, 1 more held

The criminal, Akash Rajput, has joined hands with Rajasthan's wanted gangsters Jagdish Jagla and Abhishek Gaur, through whom he became linked with gangsters Rohit Godara, Goldy Brar, and Virender Charan.

Agency New Delhi.

The Delhi Police on Friday arrested two alleged criminals, wanted for extorting businessmen in Haryana, Rajasthan, and Gujarat, after an encounter in the Kapashera area of southwest Delhi, an officer said.

The accused have been identified as Akash Rajput, a resident of Sri Ganganagar, Rajasthan, and Mahipal, a resident of Bharatpur, Rajasthan, said P S Kushwaha, Additional Commissioner of Police (Special Cell). One of the accused was injured during the exchange of fire and has been admitted to the hospital, the officer added.

"The police laid a trap based on a tip-off early in the day in Kapashera. On seeing the police, the duo opened fire, and in the retaliatory firing, Rajput was injured in his leg. He was taken to the hospital, while his companion, Mahipal, was nabbed," an officer said.

According to the police, Rajput was involved in a July 2022 incident of

firing outside a hospital in Assandh, Karnal, carried out for extortion on the instructions of foreign-based gangster Daler Kotia. "He was also wanted in connection with a July 2025 kidnapping case in Gujarat for extortion, in which foreign-based gangster Kirit Singh Jhala had demanded a ransom of Rs 100 crore from the victim. The Rajasthan Police have declared a reward of Rs 20,000 on him," Kushwaha said.

Currently, he has joined hands with Rajasthan's wanted gangsters Jagdish Jagla and Abhishek Gaur, through whom he became linked with gangsters Rohit Godara, Goldy Brar, and Virender Charan, and has nearly completed the process of obtaining a fake passport to flee abroad. Akash Rajput's crime graph reflects the alliance between gangsters of Gujarat, Rajasthan, and Haryana, the police said.

Mahipal, who had been arrested earlier in connection with the Assandh, Karnal firing incident, was out on bail and had since established links with foreign-based gangsters along with Rajput.

'Space crunch': MA Philosophy students of DU attend classes in corridor

Agency New Delhi.

On Wednesday evening, students of Delhi University's (DU) MA Philosophy programme sat on plastic chairs with backpacks and notebooks spread across their laps in a corridor, as a faculty member conducted a class.

This is not new to them. The timetable for Semester 1 students of MA Philosophy – issued for the August-December period – explicitly states that at least two classes will be conducted in the corridor every Wednesday. The reason: Space constraint, as per Head of Department Enakshi Ray.

"There is a space constraint with many optional courses and tutorials being offered… It is difficult to slot each class, since many are overlapping," she told . Asked about the timetable mentioning "corridor", Ray said: "We have mentioned the word corridor for

terminological convenience. Technically it is not a corridor, it is the empty space behind the professor's room (in the Arts department), which opens to the outer area (walkway) on the campus."

She added this is not the first time that the space is being used to conduct classes. "Earlier, this space was used by PhD scholars, even before Covid-19 pandemic, to read. I would have to check the current timetable… wouldn't be surprised if this space is being used to conduct tutorials or hold classes for optional courses for small groups of students. as there is a serious space constraint." "Recently, the number of courses has increased… we also teach tutorials and optional subjects separately," said Ray.

Three states, 21 days, and a stroke of luck: Delhi Police rescue missing brothers at Golden Temple

Agency New Delhi.

It took three weeks of back-and-forth rides in a car through UP, Haryana, and Punjab for Sub-Inspector (SI) Amit Sharma and his team to track down two brothers, aged 15 and 9, who had gone missing from their home in Badarpur last month.

On the trail of the children, the police team followed grainy CCTV footage, chased clues on Instagram reels that led to nowhere, and examined and filtered out claims on sightings that turned out to be fake.

The children were ultimately found at the Golden Temple in Amritsar on Wednesday evening – only hours after the team had paid an initial visit to the shrine, and had come away disappointed.

It might just have been divine intervention, feels SI Sharma. "We had checked the Golden Temple in the morning but we did not find the children. We went back in the evening – and suddenly, without warning, the younger child appeared in front of us," Sharma said.

The search for the children began in the morning of September 10, after a case of kidnapping was registered at Badarpur police station. The father of the missing children has a business, and their mother is a dietician, police said.

"The parents of the children quarrelled frequently, and the children did not like it. Their mother was also strict with them, so the children decided to leave home," Sharma said.

Apart from some CCTV camera footage, the police had very little to go on. They scanned pictures from railway stations, but a lot of the footage was of poor quality or incomplete. They helped the team make some progress, but steps had to be often retraced to cross-check or verify information. After scanning footage from dozens of cameras on September 10, police reached the Ghaziabad and New Delhi railway stations. It seemed the boys had entered the New Delhi station around 5 pm but could not be seen on the CCTV footage anymore after 6.30 pm.

We want impartial probe, not politics, says Rajiv Pratap's brother

Journalist Rajiv Pratap's body was recovered from Joshiada Barrage in Uttarkashi, with his family alleging he was threatened to delete videos before his death.

Agency New Delhi.

The family of journalist Rajiv Pratap, whose body was recovered from the Joshiada Barrage in Uttarkashi on Sunday, has alleged that he was threatened before his death.

Speaking on the matter, Rajiv's brother said, "I spoke to my brother a day or two before his phone was switched off. When he was at home, we noticed he was receiving calls. Sometimes, the callers would tell him things like, 'Delete the video you made,' or give similar instructions. He always responded directly, without fear; he was not someone who could be easily intimidated. Rajiv's brother also requested everybody not to politicise the matter. "I request that a thorough and impartial investigation be carried out in this matter. I also want to emphasise that this should not be politicised in any way. Our only concern is the investigation—to find out exactly what happened and reveal the truth," he said.

Rajiv's body was recovered from the Joshiada Barrage in Uttarkashi on Sunday by a joint team of police and disaster management personnel, and his family has confirmed the identification. The post-mortem report indicated injuries to the chest and abdomen.

Uttarkashi Superintendent of Police Sarita Dobhal said, "Based on preliminary information, it appears to be electrocution," and clarified that CCTV footage shows Rajiv driving the car alone. "The incident occurred late on September 28, although the victim's family has filed a complaint alleging

murder. The investigation will determine the exact cause of death," she said.

Regarding questions of abduction or foul play, SP Dobhal added, "No evidence has been found to suggest such claims, but as per information provided by the family, the investigation is ongoing." She confirmed that a case has been registered under number 403 and that further inquiry continues.

Journalist Chiranjeev Semwal described the case as a "blind case" and said, "High-level investigation should be conducted, although it would be premature to comment on car accident or abduction without full facts."

Background details reveal that Rajiv had left Gyansoo on September 18, driving a friend's car toward Gangori. The following morning, his car was found near the Bhagirathi River at Syuna village, containing only his slippers. Concerned for his safety, the family suspected abduction, prompting police to initially register a case.

NEWS BOX

Gaza crisis 'eclipses' march in Mexico City remembering 1968 Tlatelolco killings

MEXICO CITY . (Agency)

The annual march to commemorate the 1968 massacre of protesting students in Mexico's capital was eclipsed Thursday by demands to end a humanitarian crisis halfway around the world in Gaza.

The Oct. 2 march that has regularly been used not only to remember that earlier massacre, but also Mexico's tens of thousands of other missing and abuses of authority, was this year full of Palestinian flags and signs demanding an end to Israel's military operations in Gaza."We feel empathy not only for ours, for those our grandparents died for, but for all men and women around the world who are suffering what at one time we suffered," said Edgar López, a 23-year-old economics student, who marched with a Palestinian flag on his back.Protesters marched from the Tlatelolco plaza where in 1968 Mexican troops attacked students demanding an end to Mexico's militarization and greater freedoms, leaving a never established death toll believed to be in the hundreds, to the capital's central plaza.

While much of the march was peaceful some groups vandalized storefronts and threw objects, including Molotov cocktails, at the hundreds of police guarding the National Palace.Mexico City officials estimated the march drew 10,000 people and authorities said there were about 350 who were masked and acting aggressively.AP journalists saw at least three other journalists attacked by police and protesters, and a police officer cornered and attacked by protesters.

Local press reported at least six injured police, but authorities did not immediately confirm that number.

A smaller spontaneous protest had broken out in the capital the previous night after Israel detained members of a flotilla carrying humanitarian aid. Among those detained were six Mexicans.

Zelenskyy warns that Russian drones endanger Chernobyl, other nuclear plants in Ukraine

KYIV.(Agency)

Russia's sustained bombardment of Ukraine's power grid is deepening concerns about the safety of the country's nuclear facilities after a drone knocked out power for more than three hours to the site of the 1986 Chernobyl nuclear disaster in northern Ukraine, officials said Thursday.The drone strike adds to concerns raised more than a week ago when the Russian-occupied Zaporizhzhia nuclear power plant in southeastern Ukraine became disconnected from the power grid following attacks that each side has blamed on the other.Both Chernobyl nor Zaporizhzhia are not currently operational, but they require a constant power supply to run crucial cooling systems for spent fuel rods in order to avoid a potential nuclear incident.A blackout also could blind radiation monitoring systems installed to boost security at Chernobyl and operated by the U.N.'s International Atomic Energy Agency.Russia is deliberately creating the threat of radiation incidents," Ukraine President Volodymyr Zelenskyy said late Wednesday, criticizing the U.N. nuclear watchdog and its chief Rafael Mariano Grossi for what he described as weak responses to the danger.

"Every day of Russia's war, every strike on our energy facilities, including those connected to nuclear safety, is a global threat," he said. "Weak and half-measures will not work. Strong action is needed."

Russian President Vladimir Putin rejected Ukrainian claims that Russia has been shelling the power lines around the Zaporizhzhia plant as "nonsense" and blamed Ukraine for attacking the Moscow-controlled plant, warning that Russia could respond in kind.

'India won't allow humiliation': Putin's big praise for PM Modi amid US tariffs

world. (Agency)

.Russian President Vladimir Putin has reiterated his strong support for Prime Minister Narendra Modi and stressed the strategic depth of India-Russia relations, even as the US ramps up pressure on New Delhi over its energy ties with Moscow.President Donald Trump recently slapped 50 per cent tariffs on India, half of them for doing oil trade with Russia.

The move came as a pressure tactic on both India and Russia in a bid to stop the Kremlin's ongoing military conflict with Ukraine.Calling Modi a "wise leader who thinks first about his country," Putin expressed confidence that India would not yield to Western pressure. He noted that India stands to lose either way, by abandoning Russian oil, it risks losing $9–10 billion annually, while defying sanctions could lead to similar financial setbacks."So why refuse if it also carries domestic political costs? [Indian people] will never allow themselves to be humiliated by anyone. I know Prime Minister [Narendra] Modi, he will also not make any such decisions," Putin said at the international Valdai discussion forum in South Russia. "The losses faced by India due to punitive US tariffs would be balanced by crude imports from Russia, plus it will gain prestige as a sovereign nation," he added.The Russian President also said measures were being devised to soften the trade imbalance between the two countries over high import of crude by New Delhi. "We are looking at increasing imports of Indian agricultural goods and pharmaceuticals," he said.He traced the Indo-Russian partnership back to the Soviet era, calling it a "privileged strategic partnership." Putin stressed that the mutual respect and historical ties continue to form the bedrock of bilateral cooperation. "In India, they remember this, and we value that deeply," he said.

Japan's governing party to choose its new leader on September 4 to succeed Ishiba

Whoever becomes the LDP leader must also gain cooperation from main opposition parties or risk a cycle of short-lived leadership.

TOKYO. (Agency)

Japan's long-governing Liberal Democratic Party will choose a new leader Saturday to replace Prime Minister Shigeru Ishiba, but the winner must quickly restore political stability and regain public support for the struggling party to stay in power.Three of the five candidates in Saturday's intraparty vote are seen as the favorites. They include a woman who could become Japan's first female prime minister, the son of a former prime minister and a veteran moderate.

The winner must act quickly to address rising prices if the party is to have any chance of winning back support after election losses to the LDP and its junior partner Komeito in the past year cost their coalition a majority in both houses of parliament.

The new party president is still likely to become prime minister because the LDP still has the most seats in the lower house, which chooses the prime minister, and opposition groups are splintered.

The winner will immediately face a big test — hosting a possible summit with U.S. President Donald Trump. A meeting is reported to be in the works as Trump travels to the Asia-Pacific Economic Cooperation summit in South Korea that starts Oct. 31.

Whoever becomes the LDP leader must also gain cooperation from main opposition parties or risk a cycle of short-lived leadership.Only members and LDP lawmakers are voting

The vote is being held within the LDP — its 295 parliamentarians and 1 million dues-paying grassroots party members. That's less than 1% of Japan's eligible voters.

If no one wins a majority in the first vote Saturday, a runoff will quickly follow between the top two vote-getters.

The lower house will then choose a new prime minister in a leadership vote expected in mid-October. The new LDP leader will need votes from some opposition lawmakers to take office.

A woman, a young scion and a veteran moderateAll five candidates are incumbent and former Cabinet ministers who have emphasised their willingness to work with

opposition groups that are more centrist politically.Surveys have suggested the front-runners are Sanae Takaichi, who could become the first female prime minister, Shinjiro Koizumi, who would be the youngest in more than a century, and Yoshimasa Hayashi, a veteran all-rounder.Sanae Takaichi, 64, admires former British Prime Minister Margaret Thatcher and is a protégée of former Prime Minister Shinzo Abe. She is a wartime history revisionist and China hawk. She regularly visits Yasukuni Shrine seen as a symbol of militarism. Takaichi has vowed toughness on immigration, a major issue in the race. Her staunch ultra-conservative stance is considered a major risk to Japan's relations with Asian neighbors.Shinjiro Koizumi, 44, is the son of a popular former prime minister, Junichiro Koizumi, and seeks to be the youngest prime minister in Japan's modern history. As agriculture minister for Ishiba, Koizumi released an emergency rice stockpile to lower prices and stabilize supply as he promoted a reformist stance. Koizumi has made rebuilding his party a priority and pledges to listen to the people's voices closely to address their concerns, such as rising prices, growing foreign population and public safety.

Yoshimasa Hayashi, 64, is the chief Cabinet secretary in Ishiba's government. He is a moderate who promises steady wage increases, a strong economy and defense. He also advocates a universal credit system to provide assistance to low-income families for basic goods.

Rescue crews pull three bodies from rubble of collapsed school in

SIDOARJO . (Agency)

The bodies of three boys were pulled early Friday from beneath the rubble of a school that collapsed in Indonesia and with more than 50 students still unaccounted for the death toll was expected to rise, authorities said.Rescue crews had been working by hand since the collapse of the school Monday as they searched for survivors, but with no more signs of life detected by Thursday, they turned to heavy excavators equipped with jackhammers to help them progress more rapidly.The structure fell on top of hundreds of people in a prayer hall at the century-old Al Khoziny Islamic boarding school in Sidoarjo on the eastern side of Indonesia's Java island.

The students were mostly boys in grades seven to 12, between the ages of 12 and 19. Female students were praying in another part of the building and managed to escape, survivors said.Eight students have been confirmed dead and about 105 injured, many with head injuries and broken bones, and 55 remain unaccounted for.

Two of the bodies found Friday were in the prayer hall area and one was found closer to an exit as if he had been attempting to escape, according to Suharyanto, the head of Indonesia's National Disaster Mitigation Agency, who goes by one name as is common in Indonesia.Authorities have said the building was two stories, but two more levels were being added without a permit. Police said the old building's foundation apparently was unable to support two floors of concrete and collapsed during the pouring process.School officials have not yet commented.Crews wrked in the hot sun Friday to break up and remove large slabs of concrete, with the smell of decomposing bodies a grim reminder of what they would find underneath.

Suharyanto told reporters at the scene that the recovery efforts were expected to be complete by the end of Saturday.

With detentions and steep fines, harsh measures target anti-government protests in Georgia

TBILISI . (Agency)

Almost every day for nearly a year, Gota Chanturia has joined rallies at Georgia's parliament against the government and its increasingly repressive policies. He's done this despite mass arrests and police violence against demonstrators.And the civics teacher keeps marching even though he's racked up an astonishing $102,000 in fines from the protests. That's about 10 times what the average Georgian earns in a year."We've said that we will be here until the end, and we're still here," Chanturia told The Associated Press as he participated in yet another demonstration this week in the capital of Tbilisi.The protests began when the government halted talks about joining the European Union. That move came after the longtime ruling party Georgian Dream, won an election that the opposition alleged was rigged.The rallies, big and small, continue despite a multipronged crackdown by the government through laws that target demonstrators, rights groups, nongovernmental organisations and independent media.More protests are planned for this weekend to coincide with local elections.The repression in the South Caucasus nation of 3.7 million has drawn comparisons to Georgia's powerful neighbour and former imperial ruler Russia, where President Vladimir Putin has stifled dissent. Georgian Dream has been

accused of steering the country into Moscow's orbit of influence.Human Rights Watch says Georgia is suffering a "rights crisis." The clampdown is unprecedented in the country's independent history and is escalating steadily, said Giorgi Gogia, the group's Europe and Central Asia associate director.But Georgia's vibrant civil society is pushing back, and it has become a question of "who would blink first," Gogia said. If it's the public and civil society, they could wake up in an authoritarian country, "which would be a huge transformation from what Georgia used to be up until now," he added.

Fines, beatings and prison

Ketuna Kerashvili joined a rally in rainy Tbilisi on Wednesday despite the fact that her 30-year-old brother Irakli was arrested in December, convicted of disrupting public order, and sentenced to two years in prison. He had rejected the charges as unfounded.Kerashvili told AP her brother's trial was "tough to watch.""All of those boys and girls who are in prison now were trying to protect our country from pro-Russian forces and a pro-Russian government," she said.The violent crackdown escalated after largely peaceful protests in late November 2024, with over 400 people detained within two weeks; at least 300 reported severe beatings and other ill-treatment, according to Amnesty International. The group alleged that much of the brutality occurs out of sight in detention.

South Korea's president apologizes over poorly managed foreign adoption programs

BELGRADE..**(Agency)**

Every Serbian knows the clenched fist of Otpor -- it was stencilled on city walls, over government propaganda, and on flags above the mass protests that brought an end to strongman Slobodan Milosevic's rule.

Twenty-five years on, one of Otpor's founders, Srdja Popovic, sees a connection to the "brave, intelligent and highly creative" new generation marching under another emblem -- the bloodied hand -- in some of the largest demonstrations ever witnessed in the Balkan nation."Otpor arose as a cry of a generation against wars, economic collapse and growing repression," Popovic told AFP, from the United States, where he teaches at the University of Virginia and Colorado

College.The current protesters, on the streets since November, call for justice and fresh elections over "an attempt to cover up corruption" linked to the collapse of a train station roof in Novi Sad that killed 16 people, he said."Both generations realised that it was not enough simply to march, chant slogans and carry banners — a whole new system of values has to be created."

Enemy Number One

When hundreds of thousands marched on Serbia's parliament on October 5, 2000, it was "the crown of a generational struggle", the 52-year-old said.

In a country scarred by NATO bombardment and economic collapse, Otpor helped build Belgrade's uprising through years of protest, alongside the political opposition."For me, October 5 is above all a symbol — proof that even the harshest regimes can fall if people unite, organise and persist in non-violent struggle."Otpor's campaign of peaceful resistance and stunts, often laced with satire and parody, targeted a nationalist government marked by war and sanctions.When Otpor left a barrel with Milosevic's face plastered on it in central Belgrade, people queued to batter it.

Decade after the European refugee crisis, a Syrian family 'finally' becomes German

Even though the family's integration into German society was a success, it was not without sacrifice.

BERLIN. (Agency)

Nearly a decade after fleeing Syria's civil war, Rahaf Alshaar sat on her couch in a leafy suburb of Berlin, sipping Arabic coffee spiced with cardamom.When she, her husband and their three daughters arrived in Germany as refugees, they adapted quickly to their new country: learning the language, finding jobs and attending school."It was a lot of hard work, but I'm proud of what we achieved," Alshaar, 44, told The Associated Press in a recent interview.

Earlier this year, the whole family became German citizens and bought a house with a nice garden."We are Germans," said 52-year-old Basem Wahbeh, Alshaar's husband.

Their family arrived among an influx of migrants from war-torn Syria, Iraq and Afghanistan who took refuge in Germany, peaking at more than 1 million in 2015. The arrival of so many asylum-seekers in a single year strained the country's resources and brought consequences that Germany is still wrestling with a decade later, most notably the rise of far-right anti-immigration parties.

Even though the family's integration into German society was a success, it was not without sacrifice. They and many others had to leave behind their homes, culture and language, sometimes shedding traditions dear to them.

Germany opens its doors

On Aug. 31, 2015, as Europe faced what was by then being called the refugee crisis, Chancellor Angela Merkel opened Germany's borders to migrants. Facing criticism at home and abroad, Merkel famously promised citizens that "we will manage it."Refugees were initially

welcomed with applause as they arrived at train stations. German families opened their homes to put them up for months as overwhelmed cities struggled to find accommodation.In a massive effort, schools and community colleges quickly created tens of thousands of "welcome classes" for children and integration classes for adults to help them study German, get a job and find a home in their new country."A lot of things worked out surprisingly well," said Jonas Wiedner, an expert on migration from the Berlin Social Science Center.He noted migrants' employment figures compare roughly to those of Germans, politicians acted quickly to offer help and money to local communities integrating the new arrivals and "civil society was very involved from the outset and has really achieved great things."

Germany became the top asylum destination in Europe, with its total population rising by 1.2% in 2015 — the highest since 1992 — because of immigration, according to the Federal Statistical Office.Over time, as more asylum-seekers arrived looking for better prospects, not necessarily fleeing danger, the surge of immigration fueled economic anxieties and xenophobic resentment among some Germans.

NEWS BOX

Afghanistan's Rashid Khan blames media for 'second-best in Asia' tag

New Delhi. (Agency)

The Premier League is set to make a key decision on whether to scrap its divisive Profit and Sustainability Rules (PSR) in favour of a new financial framework based on squad-cost ratio, Chief Executive Richard Masters said on Thursday.The PSR, introduced in the 2015-16 season to curb excessive spending, has come under increasing scrutiny following breaches by several clubs. Critics, including Manchester City, Newcastle United, and Aston Villa, argue that the rules restrict their ability to invest in competitiveness.Speaking at the Leaders sports conference, Masters confirmed that discussions are ongoing about potentially replacing the current model with a system that would bring the league in closer alignment with UEFA's financial regulations. UEFA caps club spending on player wages, transfers, and agent fees at 70% of total revenue. The Premier League, however, is considering a higher threshold of 85%.We are talking to our clubs about an alternative system. That's not to say we don't think the PSR system works," Masters said. "It's about closer alignment with European regulation

— which is the squad cost ratio, a revenue-based test."The PSR is a look-back profitability test and has its own strengths and weaknesses. No system will be perfect. We have to keep these things balanced and continue the conversation with our clubs. That's an important decision, so we should take the time to get it right. But that decision is coming up."The Premier League, the world's most lucrative domestic football competition, will earn 6.7 billion ($9.03 billion) from domestic broadcast rights alone in the 2025–2029 cycle. Masters noted that a more flexible spending cap would help maintain the league's competitive edge globally."In UEFA, it's now set at 70%. Our system will be 85% because we always want our clubs to have the ability to invest," he said."When you compare the Premier League system at 85%, if it happens, to the other big European leagues, we have a more permissive system — too permissive, some might say.

AB de Villiers divides opinions after questioning India over Asia Cup trophy row

Former cricketer AB de Villiers comments on the Asia Cup trophy presentation sparked backlash from Indian fans. India refused to recieve the trophy from Asian and Pakistan cricket chief, Mohsin Naqvi, after outclassing Pakistan in the final in Dubai on Friday.

New Delhi. (Agency)

Former South Africa cricketer AB de Villiers has come under fire from a section of cricket fans after sharing his views on the Asia Cup trophy presentation controversy, which has now snowballed into a major row. Speaking on his YouTube show, De Villiers remarked that politics should be kept away from sport, appearing to question India's decision to refuse receiving the trophy from Asian Cricket Council and Pakistan Cricket Board chief, Mohsin Naqvi."Team India sort of weren't happy with who was handing out the trophy. I don't feel that belongs in sport. Politics should stay aside," De Villiers said earlier this week."Sport is one thing, and it should be celebrated for what it is. Quite sad to see that, but hopefully they will sort things out in the future. It does put the sport, the players, the sportsmen, the cricketers in a very tough position, and that's what I hate to see. It was quite awkward there at the end," he added.De Villiers' comments, however, have not been received well by Indian fans on social media."Meet AB de Villiers. He comes to India to earn money during the IPL. One shameless franchise feeds him money for no reason. And then he criticises the BCCI's stand for not collecting the Asia Cup trophy from the hands of politician Mohsin Naqvi," wrote one user in response to De Villiers' post.I think AB de Villiers might not realize how serious this is, so that's why he said it. But again, if you are not in the loop, it's best not to comment as well," a user wrote."Blud thinks Trophy is bigger than Country because he never touched the one," another one said.India had refused to accept their trophy from Naqvi, who is also a sitting minister in the Pakistan government. During the Asia Cup, the PCB chief made a provocative remark while referring to the cross-border skirmish between India and Pakistan in May, which had followed the terror attack in Pahalgam.

In a bizarre twist, Naqvi walked away with the trophy, denying India the opportunity to celebrate with the silverware. The Indian team nevertheless went up on the dais and marked their victory without it. According to reports, Naqvi has since asked India captain Suryakumar Yadav to collect the trophy in person from the ACC headquarters in the UAE, standing firm on his decision. Although Naqvi apologised to members of the cricket council after being grilled by BCCI officials in an ACC meeting following the final, he remained adamant about his stance.The Asia Cup had marked the first meeting between India and Pakistan on the cricket field since the Pahalgam attack, and, as expected, off-field tensions overshadowed the cricket itself. India captain Suryakumar Yadav refused to shake hands with his Pakistani counterpart, Salman Ali Agha, during the toss in their group-stage clash. The rest of the Indian players followed suit, snubbing handshakes with the Pakistani side after the match. Upset by the gesture, the Pakistan captain subsequently boycotted the post-match presentation ceremony.

Suryakumar later dedicated India's win to the victims of the Pahalgam attack and to the Indian armed forces. In response, Pakistan threatened to boycott the tournament unless match referee Andy Pycroft was removed, blaming him for enabling the handshake snub.

Namibia and Zimbabwe qualify for ICC Men's T20 World Cup in India and Sri Lanka

MADRID. (Agency)

Namibia and Zimbabwe have secured their spots in next year's ICC Men's T20 World Cup, to be held in India and Sri Lanka, after triumphing in the Africa Regional Final semifinals in Harare. Namibia defeated Tanzania in the first semi-final, while Zimbabwe overcame Kenya in the second, claiming Africa's two allocated places for the tournament scheduled for February-March 2026.The semifinals carried high stakes, with only the winners progressing to the World Cup. Namibia recovered from an early batting collapse, while Zimbabwe chased a modest target efficiently, sending a strong message ahead of the main event.In the first semifinal, Namibia slipped to 41/4 by the fifth over against Tanzania, but an 88-run partnership between JJ Smit and Gerhard Erasmus steadied the innings. Erasmus anchored the middle order with a composed

55 from 41 balls, while Smit remained unbeaten on 61 from 43 deliveries, striking four sixes and energising the crowd with chants of "Smit can hit." Smit's impact extended to the bowling attack as well.The all-rounder took three wickets for 16 runs in four overs, including three of Tanzania's top five batters, effectively derailing the chase. Namibia's collective effort ensured their fourth consecutive Men's T20 World Cup appearance, following their Super 12 campaign in 2021.

In the second semifinal, Zimbabwe batted first after captain Dhiren Gondaria won the toss. Despite a valiant 65 off 47 balls from Rakep Patel for Kenya, Zimbabwe's bowlers kept the opposition in check, restricting them to 123. Zimbabwe's chase was swift. Opener Brian Bennett struck a brisk 51 from 25 deliveries, including six boundaries off Lucas Ndandason in a decisive over, guiding Zimbabwe to victory and marking their return to the T20 World Cup after missing the 2024 edition.With Namibia and Zimbabwe now qualified, only three spots remain from the Asia-East Asia Pacific (EAP) Qualifier for next year's tournament, according to the ICC. Namibia looks to build on its growing reputation as a regular participant, while Zimbabwe aims to re-establish itself after its 2024 absence.

Australia's Cameron Green ready for bowling role in home Ashes: I feel stronger

New Delhi. (Agency)

Australia all-rounder Cameron Green is preparing to resume his bowling duties ahead of the Ashes, confident he will be free of restrictions by the start of the series. The 26-year-old, who underwent spinal surgery last October following his fifth stress fracture, is set to bowl in Western Australia's Sheffield Shield opener against New South Wales at the WACA this Saturday."It's been a long 12 months, but I'm feeling really good," Green told reporters on Friday. "The body's in a good place. It's

been a really good rehab journey. I feel stronger, fitter. My action feels good. The first Test should be no restrictions. That's kind of the whole plan of the last year — to peak for the Ashes."Green has not bowled competitively since his operation but plans to bowl a limited quota of eight overs against New South Wales as he gradually rebuilds his workload. He will bat at number four for WA in the Shield match but expects to continue at first drop in the Test side when the Ashes begins at Perth Stadium on November 21.The all-rounder conceded that his bowling loads could be adjusted if he remains at No.3, a spot he has occupied since returning to Test cricket mid-year purely as a batter. Green initially struggled in the role, failing to pass 15 in his first four innings, including the World Test Championship final against South Africa and the opening Test against West Indies in Barbados. However, he later found form, scoring 52, 26, 42, and 46 in the final two Tests of that series.

IND vs WI: KL Rahul hits home Test century after 8 years, unveils new celebration

MILAN . (Agency)

KL Rahul ended a nine-year wait for a home Test century as the opener reached three figures on Day 2 of the first Test between India and the West Indies in Ahmedabad. Rahul brought up his hundred off 190 deliveries in the first session on Friday at the Narendra Modi Stadium.The 32-year-old unveiled a new celebratory gesture after ending a 3,211-day drought for a hundred in home conditions in red-ball cricket. He removed his helmet, raised his bat towards the dressing room to acknowledge the applause, and then put two fingers in his mouth, seemingly sending a message to his newborn daughter, Evaarah.Head coach Gautam Gambhir was visibly delighted,

applauding alongside the rest of the support staff. Chants of "KL Rahul, KL Rahul" echoed around the ground, despite the stands being far from full.Before Friday, Rahul's last home century came against England in December 2016 in a Test where Karun Nair scored his famous triple hundred. The opener has been in sensational form. He scored two hundreds in India's 2-2 draw in the Anderson-Tendulkar Trophy, finishing the five-Test series with 532 runs at an average of over 50 runs per innings.The red-soil pitch in Ahmedabad has not been the easiest to bat on. While the West Indies folded for 162 in their first innings, India have shown the way, taking their time to keep the scoreboard ticking.The red soil pitch in Ahmedabad has not been the easiest for batting. West Indies folded for 162 in their first innings, but India have managed to show the way, albeit taking their time to keep the scoreboard moving.Rahul, showing remarkable composure at the crease, appeared to let out his emotions with the celebration, as though he had been waiting for this moment.

Not thinking about retirement, focusing on strengthening my mind: Deepika Kumari

Deepika said her training currently revolves around refining both mental and technical aspects of her performance.

New Delhi. (Agency)

Four-time Olympian archer Deepika Kumari is not contemplating retirement just yet and is instead focusing on building mental strength to handle high-pressure situations, with an eye on a final hurrah at the Los Angeles Games.The 29-year-old, who will be 34 when the Los Angeles Olympics come around in 2028, said it would most likely be her final appearance at the Games, adding that her mindset for the next edition is "do-or-die.""This is not the last stage of my career?I haven't decided on that yet. I believe all my competitions so far have been really good experiences," she told PTI

Videos on the sidelines of the opening day of the Archery Premier League in New Delhi.Deepika said her training currently revolves around refining both mental and technical aspects of her performance."I have been working on both the mental and technical aspects of my game, and this league is helping me improve further. Playing in front of a crowd brings pressure, but that pressure actually helps players grow and prepare better," she said."I'm trying to master every technique. In the past, I have often struggled mentally during crucial matches in tournaments, which has cost me results."I'm doing a lot of visualisation, mental training, thinking while walking, thinking while eating ? all of it. I want my technique to be so deeply ingrained that I don't have to think about it during pressure moments. I'm training hard."Deepika welcomed the inclusion of compound archery in the Olympic programme, saying it will significantly enhance India's medal prospects."I'm very happy because the compound is now part of the Olympics. Everyone was wondering when it would happen, and finally it has. Our medal tally has already gone up in many tournaments, and our compound team is very strong," he said.She also highlighted the strong bond shared among Indian archers, which, according to her, plays a crucial role in handling the mental challenges of the sport."We support each other a lot as archers. On the field, we talk about archery, but we also help each other off the field. If someone is struggling mentally or technically, we talk and manage it together," she said.

World Weightlifting Championships: Olympic medalist Mirabai Chanu wins silver

India's Mirabai Chanu returned to the World Weightlifting Championships podium with a silver in the women's 48kg, recording her first world medal since 2022, as North Korea's Ri Song Gum claimed gold with a world record total.

New Delhi. (Agency)

Mirabai Chanu returned to the World Weightlifting Championships podium after three years, clinching silver in the women's 48kg category in Forde, Norway. Her 199kg total (84kg snatch, 115kg clean and jerk) marked her third career medal at the event and ended India's medal drought at the championships since 2022. North Korea's Ri Song Gum captured gold with a world record performance, while Thailand's Thanyathon Sukcharoen took bronze.Chanu's silver in Forde was her first World Championships medal since 2022 and her third overall, reinforcing her status as one of India's most successful weightlifters. This was her first appearance at the World Championships since the Paris Olympics, where she had finished fourth. Her performance also lifted India's total medal count at the World Weightlifting Championships to 18-all won by women athletes.Chanu began the competition with a successful 84kg snatch but missed her next two attempts at 87kg, leaving her third in the snatch segment. She bounced back in the clean and jerk, completing lifts of 109kg, 112kg, and 115kg. Her final lift of 115kg matched her best from the Tokyo Olympics and secured silver in both the clean and jerk and the overall total.North Korea's Ri Song Gum dominated the event, registering 91kg in snatch and 122kg in clean and jerk for a total of 213kg. Her last two

lifts-120kg and 122kg-set new world records in both clean and jerk and total. Thailand's Thanyathon Sukcharoen claimed bronze with a total of 198kg (88kg snatch, 110kg clean and jerk).

The Forde Championships marked Chanu's first world championship appearance since 2022 and her second international event since finishing fourth at Paris 2024, where she lifted 199kg (88kg snatch, 111kg clean and jerk) in the 49kg division. She had previously won gold in the 48kg category at Anaheim 2017 with 194kg and silver at Bogota 2022 with 200kg.

Last month, Chanu had also won gold at the Commonwealth Weightlifting Championships 2025 in Ahmedabad, lifting 193kg (84kg snatch, 109kg clean and jerk), a victory that secured her direct qualification for the Glasgow 2026 Commonwealth Games.Chief coach Vijay Sharma had earlier told PTI that the team's aim for these World Championships was to breach the 200kg mark and to start lifting the weights Chanu had been handling in the 49kg category.

Rise And Fall

Akriti Negi

Slams Manisha Rani For Calling Her An 'Undeserving Ruler'

Akriti Negi, best known for her fiery presence in reality shows like MTV Roadies 19 and as the winner of Splitsvilla X5, is currently grabbing all the attention in the ongoing reality show, Rise and Fall. In a recent episode of Rise and Fall, tensions rose during a discussion about the "ultimate ruler race," where Manisha Rani openly questioned Akriti's capability.Manisha didn't hold back and said, "I've noticed one thing — Akriti lacks leadership qualities, and I don't think she can be a good ruler. She always keeps herself away from people. A true ruler should have humbleness, and I feel that's missing in Akriti. If you're giving reasons, at least have the courage to speak the truth."

Akriti immediately responded to the remark, making her stance clear. She firmly said, "I'm not disagreeing with what you're saying, but if you're judging my personal life or my personality to decide whether I'm a ruler or not, that's wrong. All I want to say is that my personality shouldn't be dragged into this. If I choose to stay quiet or prefer being alone, it doesn't mean I'm not capable of being a ruler."

She further added, "I will push myself as much as I can, but I cannot force myself beyond my limits. For you, it became very easy because you came here after watching the game from outside and chose to follow the crowd, maintaining good relations with them. But somewhere, I also understood your game very well. So don't say that Akriti doesn't deserve it. By that logic, even you don't deserve to stay in the game, the way you're playing is completely wrong."

This heated exchange has left fans divided, with many applauding Akriti's confidence and others questioning her game strategy. Rise and Fall premiered on September 6, 2025, on Amazon MX Player. The show establishes the stark divide between the Rulers, who enjoy luxury in a penthouse, and the Workers, who fight it out in a bare-basics basement. The tagline says it all, "16 contestants. Two worlds. One ultimate power struggle." With its eclectic celebrity cast, the bold social experiment, and Ashneer Grover's unfiltered hosting style, Rise and Fall is shaping up to be one of the most talked-about reality shows of the year.

Bigg Boss 19: Awez Darbar Had 'No Fear' Of Ex-Shubhi Joshi Wild Card Entry, Refutes Cheating Claims

Baseer Ali and Amaal Mallik put serious allegations against Bigg Boss 19's evicted contestant Awez Darbar, but he chose to give it back to them without any drama. Outside the house, Splitsvilla fame Shubhi Joshi also slammed Awez with grave accusations, and his eviction gave birth to reports that the content creator's family paid 2 crore to makers for his voluntary exit out of fear of the family's reputation getting distorted if Shubhi entered the show as a wildcard. But what is the reality behind such claims? Awez Darbar, in an exclusive chat with News18, revealed it all.

While speaking to us, Awez slammed reports of his voluntary exit and said, "Are voluntary exit mein 2 crore dekar kyu bahar aaunga? Agar mil rahe hote to baat alag hoti. Honestly, mein tab bhi wapas nahi aata because mujhe honestly bohot maza aaraha tha." However, there's a possibility that there might not be an eviction this week due to the festival week.

When asked if Shubhi's wild card entry had something to do with him, the influencer strongly said, "He had no fear," and while refuting the cheating claims, said, "Sab wildcard chahte hein, ye naya trend ban gaya hai. I want to say now that I am out, there's going to be no wildcard" (thumbs down action).

While speaking about Shubhi, Awez added, "Just like she has proofs, I too have things against her, but I won't demean her just like how I didn't defame Baseer (Ali) and Amaal (Mallik). Nagma, who is the most important person to me, knows everything, and that's what matters to me. I only want to think about her and not about the person who doesn't matter to me.""All of these people want fame, but please go somewhere else. I won't give you footage. I am happy with whoever I am with, so that's it," he concluded.

About Awez Darbar's Eviction

Shubhi, in an interview, also confirmed that she and Awez had a past relationship, which sparked speculation that he had cheated on Nagma Mirjkar. Awez's eviction came after he was in the bottom three, along with Ashnoor Kaur and Pranit More.

Vicky Jain Calls Himself 'Blessed', Showers Love On Ankita Lokhande: 'Stay With Us Forever'

Television superstar Ankita Lokhande and her husband Vicky Jain are giving major festive couple goals this Dussehra. Vicky recently took to his social media account to share a heartfelt note dedicated to Ankita, expressing his gratitude for having her as his life partner.Sharing a video of their festive celebrations, Vicky posted a beautiful video reel that shows glimpses of his gorgeously decorated spaces at home. One frame features a nameplate with Vikas and Ankita in stylish script, while another shows a colourful rangoli made of flowers and green leaves, setting a vibrant festive mood.

In the video, Ankita, who is seen all decked out in a

beautiful red net sari, can be seen decorating the flower rangoli and lighting up the diya. Vicky seemed to have got emotional and overwhelmed on seeing his beautiful wife taking care of her home and filling it with love and joy.Vicky wrote, "Happy Dussehra. Blessed to have a wife like you, Manku, who takes care of me and our home with so much love. The way you decorate and fill our house with festive joy means the world. May good always win over evil and happiness. Stay with us forever."

He shared, tagging Ankita Lokhande in the post. The note reflects not only the couple's festive spirit but also the affection and appreciation they share for each other. Ankita and Vicky, who tied the knot in December 2021 after dating for a few years, have often been vocal about their bond.The two, post their wedding, were seen in the reality show Smart Jodi that they won, followed by being seen in the television superhit reality show Bigg Boss Season 17, where their relationship was put through several tests and went through a series of ups and downs.But Ankita and Vicky came out stronger and closer to each other. Ankita has always stood by Vicky in all his tough times. Recently, when Vicky met with an accident, Ankita Lokhande was seen standing by him, rock solid.

Sharvari wagh

Begins Shoot For Imtiaz Ali's Next, Calls Film With Vedang Raina 'Very Special'

Bollywood actress Sharvari has begun shooting for her next big project, a film directed by acclaimed filmmaker Imtiaz Ali, co-starring Vedang Raina. The announcement came on the auspicious occasion of Dussehra, making the moment even more special for the actress. Sharvari shared a heartfelt post on her social media story, where she revealed that she couldn't be home for

Saraswati Puja.Instead, she performed a small puja in her room with her film script, alongside a picture of a notebook which she inscribed on it, decorated with fresh hibiscus flowers. She wrote, "Couldn't be home for Saraswati Puja today, so I did my own little puja with the script in my room. "Happy Dussehra! Vijay Dashmi ki Hardik Shukkam Nai! Starting to shoot a very special film with a very special director and team."

In June, the official announcement of the film was made public. Sharing the news on her feed, Sharvari expressed excitement and gratitude. "What an incredible surprise to see this announcement happen on my birthday. Best birthday ever! Imtiaz Ali, Sir, I have manifested to be directed by you ever since I have dreamed of being an actor." She added, "This will be the most amazing learning experience for me. It is an honour to be a part of your vision. Thank you for choosing me. It feels so special to be a part of this dream team. So excited for this new journey."

Sharvari made her acting debut with Kabir Khan with Yash Raj's "Bunty Aur Babli 2" in 2021, where she starred alongside Rani Mukherjee, Saif Ali Khan and Siddhant Chaturvedi.

Despite the film's mixed response, Sharvari was widely appreciated for her screen presence and freshness.

The actress will also be seen in "Alpha" opposite Alia Bhatt and co-starring Bobby Deol. With Imtiaz Ali's upcoming film adding to her lineup, fans are extremely thrilled and excited to see their favourite star in a big project.